PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 223 ● भिलाई, शुक्रवार 13 मार्च 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

प्रदेश भाजपा कोर कमिटी ने वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' की तरफ से खन्ना को अवार्ड मिलने पर किया सम्मानित

होशियारपुर। वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' पंजाब चैप्टर के सी.ई.ओ. संदीप डोगरा द्वारा पूर्व सांसद अविनाश राय खन्ना को उनकी उत्कृष्ट जनसेवाओं के लिए अवार्ड देने की खुशी में पंजाब भाजपा कोर कमिटी ने खन्ना को सम्मानित किया। इस मौके प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सुनील जाखड़ तथा कार्यकारी अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने संयुक्त तौर पर कहा कि खन्ना ने सदैव पार्टी की मजबूती और पार्टी की गतिविधियों को नयी गति देने का प्रयास करते रहते हैं और वे राजनीति के साथ साथ मानवता की सेवा को भी प्राथमिकता देते हैं जिसके चलते खन्ना को वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' की और से अवार्ड से नवाजा गया है। इस मौके वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' पंजाब चैप्टर के सी.ई.ओ. संदीप डोगरा द्वारा खन्ना को सम्मानित करने पर प्रदेश भाजपा के वरिष्ठ नेताओं पूर्व कैबिनेट मंत्री मनोरंजन कालिया तथा ने अन्य वरिष्ठ नेताओं ने भी खन्ना को बधाई दी।

116 करोड़ के बैंक घोटाले पर राज्यपाल सख्त; बोले: पैसे की रिकवरी का मतलब माफी नहीं

चंडीगढ़। चंडीगढ़ के प्रशासक और पंजाब के राज्यपाल ने आईडीएफसी बैंक से जुड़े 116 करोड़ रुपये के कथित वित्तीय घोटाले पर अपना कड़ा रुख स्पष्ट कर दिया है। राज्यपाल ने दो टूक शब्दों में कहा है कि प्रशासन की मुस्तैदी से रकम तो वापस मिल गई है, लेकिन यह किसी भी दोषी के लिए %क्लीन चिट% नहीं है। राजभवन में मीडिया से बात करते हुए राज्यपाल ने स्पष्ट किया कि प्रशासन ने पूरे रिकॉर्ड की गहन जांच कर ली है। उन्होंने कहा- अगर सरकारी खजाने से पैसा बाहर गया है, तो निश्चित रूप से किसी न किसी स्तर पर बड़ी चूक या मिलीभगत हुई है। केवल पैसे वापस आ जाना किसी को सजा से बचाने का आधार नहीं बन सकता। राज्यपाल ने जानकारी दी कि इस पूरे मामले में लापरवाही और धोखाधड़ी की जिम्मेदारी तय करने के लिए स्न्ङ्कक्र दर्ज करवाई जा चुकी है। उन्होंने प्रशासन के इस कदम को भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति बताया।

ऑनलाइन गेमिंग की लत पड़ी महंगी, बेटे ने पिता को मुआवजे में मिले 1.77 करोड़ रुपए गंवाए

नई दिल्ली। ऑनलाइन गेमिंग और जल्दी मुनाफा कमाने के लालच में एक युवक द्वारा बड़ी रकम गंवाने का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। उत्तराखंड के हरिद्वार जिले के झबरेड़ा थाना क्षेत्र के 18 वर्षीय युवक ने ऑनलाइन गेमिंग के जाल में फंसकर अपने किसान पिता के 1.77 करोड़ रुपये ठगों को ट्रांसफर कर दिए। शिकायत के आधार पर देहरादून स्थित साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

किरण देव ने विधानसभा में जताया रोष

टेंडर के बाद भी झीरम व कांदानार के बीच नहीं बनी सड़क

रायपुर। संवाददाता

विधानसभा में आज भाजपा विधायक किरण देव ने रोष जताते हुए कहा कि 4 साल का समय गुजर जाने के बाद भी झीरम-कांदानार के बीच की सड़क नहीं बनी। दो माह बचे हैं, काम शुरु नहीं हुआ तो हर बार की तरह इस बार भी निर्माणाधीन सड़क की मुरुम मिट्टी बह जाएगी। प्रश्नकाल में किरण देव का सवाल था कि क्या एमएमजीएसवाई योजना अंतर्गत झीरम व्हाया एलेंगनार-उरकापाल कांदानार सड़क के निर्माण हेतु स्वीकृति प्रदान की गई? सड़क की कुल लंबाई एवं संभावित व्यय कितना था? प्रशासकीय स्वीकृति एवं टेंडर कब जारी किया गया? कार्यादेश किस कंपनी/फर्म को प्रदान किया गया? क्या निर्माण हेतु तैयार डीपीआर में आवश्यक समस्त प्रस्ताव सम्मिलित नहीं हो सके थे? यदि हां तो कौन-कौन से कार्य के प्रस्ताव किन कारणों से सम्मिलित नहीं हो सके? कार्य कब तक प्रारंभ कर दिया जावेगा? उप मुख्यमंत्री (पंचायत एवं ग्रामीण विकास) विजय शर्मा की ओर से जवाब आया कि मुख्यमंत्री ग्राम सड़क एवं विकास योजना अंतर्गत झीरम व्हाया एलेंगनार-उरकापाल कांदानार सड़क के निर्माण हेतु प्रशासकीय स्वीकृति 10 जनवरी 2023 को प्रदान की गई है। सड़क की कुल लंबाई 18 किलोमीटर एवं संभावित व्यय रूपये 14 करोड़ 60 लाख 60 हजार था। प्रशासकीय स्वीकृति टेंडर 30 जनवरी 2023 को जारी किया गया। कार्यादेश विनोद सिंह राठौर, मेन रोड मस्तानपारा सुकमा (जिला सुकमा) को प्रदान किया गया है। निर्माण हेतु

तैयार डीपीआर में आवश्यक समस्त प्रस्ताव सम्मिलित नहीं हो सके थे। उक्त सड़क नक्सल प्रभावित झीरम क्षेत्र को कोलेंग क्षेत्र से जोड़ती है। उक्त सड़क दुर्गम पहाड़ी एवं घोर नक्सली क्षेत्र होने के कारण पूर्व में विस्तृत सर्वेक्षण किया जाना संभव नहीं था। साथ ही उक्त सड़क आरक्षित वन भूमि में होने के कारण एलाईनमेंट में परिवर्तन हुआ, जिसके कारण सीसी सड़क, टो-वॉल, नाली, पुल-पुलियों एवं घाट कटिंग के अतिरिक्त कार्य की आवश्यकता हुई। अतिरिक्त शेष कार्य हेतु राशि 5 करोड़ 59 लाख 69 हजार की स्वीकृति जिला खनिज न्यास निधि मद जिला सुकमा से प्रदान की गई है। मूल स्वीकृति झीरम से कांदानार तक 18 किलोमीटर बीटी सतह तक स्वीकृत थी। स्थल में परिवर्तन एवं अन्य कारणों की वजह से उक्त राशि में 18 किमी का कार्य संभव नहीं था। इसलिए मूल स्वीकृति अनुसार पूरी लंबाई में जीएसबी स्तर तक कार्य किया गया। झीरम से एलेंगनार तक 0 किमी. से 11.10 किमी में बी.टी. एवं अन्य कार्य प्रस्तावित किये गये। शेष लंबाई में एलेंगनार उरकापाल से कांदानार तक 11.10 किमी से 18 किलोमीटर के लिए जीएसबी स्तर से उपर के कार्य एवं पुल-पुलिया, रिटेनिंग वॉल एवं अन्य कार्यों की स्वीकृति जिला खनिज न्यास निधि मद जिला सुकमा से प्राप्त की गई। मूल स्वीकृति 10 जनवरी 2023 को 14 करोड़ 60 लाख 60 हजार की थी। अतिरिक्त कार्य हेतु 18 जनवरी 2025 को 5 करोड़ 59 हजार 69 हजार की स्वीकृति प्राप्त की गई। भाग ख हेतु प्रशासकीय स्वीकृति जारी कर निविदा आमंत्रित की गई है। कार्यादेश रामशरण सिंह प्रोजेक्ट, एलएलपी, शांति नगर जिला सुकमा को प्रदान किया गया है। अनुबंध के अनुसार कार्य पूर्णता की तिथि 20 नवम्बर 2026 तक निर्धारित है। कार्य 20 फरवरी 2026 से प्रारंभ हो चुका है। किरण देव ने पूछा कि सर्वे नहीं हुआ तो टेंडर कैसे जारी हो गया। 3 वर्षों में कितना काम हुआ और ठेकेदार को कितना भुगतान हुआ। सदन में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा की अनुपस्थिति में वन एवं संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप ने जवाब देते हुए कहा कि नक्सलवाद के कारण जैसा सर्वे होना था नहीं हुआ। नाली समेत अन्य निर्माण कार्य नहीं हो पाए। वर्तमान स्थिति में कार्यों को डीएमएफ फंड से चिन्हांकित किया गया है।

पश्चिमी यूपी के लिए बनाया नया प्लान

आरएलडी के बिना सपा की राह होगी आसान.....

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में अभी तकरीबन साल भर का वक्त बाकी है, लेकिन राजनैतिक दल रणनीतियां बनाने में अभी से जुट गए हैं। पिछले दो चुनाव में सत्ता से वनवास झेल रही समाजवादी पार्टी के को सत्ता में लाने के लिए अखिलेश यादव नए-नए समीकरण गढ़ रहे हैं। समाजवादी पार्टी इस बार खास तौर पर उन क्षेत्रों में अपनी पकड़ मजबूत करने की तैयारी कर रही है, जहां पिछले चुनावों में उसे सफलता नहीं मिल पाई थी। यही वजह है कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव 29 मार्च को गौतमबुद्धनगर के दादरी में 'समाजवादी समानता भाईचारा रैली' को संबोधित करने जा

रहे हैं। सपा इस बार पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अपने सामाजिक समीकरण को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दे रही है। अखिलेश यादव की रणनीति पीडीए यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग के साथ जाट और गुर्जर मतदाताओं को भी जोड़ने की है।

नीति आयोग के वाइस-चेयरमैन सुमन बेरी, नई दिल्ली में नीति आयोग में फिस्कल हेल्थ इंडेक्स 2026 के दूसरे सालाना एडिशन की रिपोर्ट जारी करने के मौके पर बोलते हुए।

सुप्रीम कोर्ट का ट्रायल पर बड़ा प्रहार

जेल से बाहर आएगा.... अलगाववादी नेता शाह

नई दिल्ली। आज यानी गुरुवार, 12 मार्च 2026 को सुप्रीम कोर्ट ने जम्मू-कश्मीर के प्रमुख अलगाववादी नेता शब्बीर अहमद शाह को एक बड़े टेरर फंडिंग मामले में जमानत देने का आदेश सुनाया। साल 2019 से सलाखों के पीछे बंद शाह के लिए यह फैसला एक बड़ी कानूनी राहत के रूप में देखा जा रहा है। यह मामला केवल एक व्यक्ति की रिहाई का नहीं है, बल्कि यह अदालती कार्यवाही में होने वाली देरी और विचाराधीन कैदियों के मौलिक अधिकारों पर भी एक गंभीर टिप्पणी पेश करता है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस

संदीप मेहता की पीठ ने इस मामले की सुनवाई करते हुए साफकर दिया कि न्याय में देरी किसी भी सूरत में स्वीकार्य नहीं है। शब्बीर अहमद शाह को राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने 4 जून 2019 को गिरफ्तार किया था और तब से वे लगातार न्यायिक हिरासत में थे।

विपक्ष को दो टूक जवाब

सदन से ऊपर न पीएम हैं,न नेता प्रतिपक्ष है-अध्यक्ष ओम बिरला

नई दिल्ली/ एजेंसी

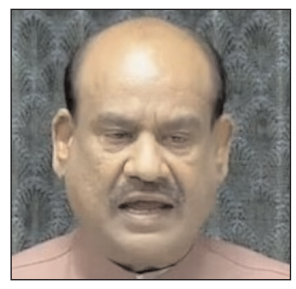

भारतीय संसद के इतिहास में करीब चार दशकों के बाद एक ऐसा अवसर आया जब लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया। बुधवार को भारी हंगामे के बीच विपक्ष का यह प्रस्ताव ध्वनि मत से खारिज हो गया। इस पूरे घटनाक्रम के दौरान खुद को सदन की कार्यवाही से दूर रखने वाले अध्यक्ष ओम बिरला ने गुरुवार को वापस आसन संभाला और पहली बार अपनी चुप्पी तोड़ी। उनके संबोधन ने न केवल विपक्ष के आरोपों का जवाब दिया, बल्कि यह भी स्पष्ट कर

दिया कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में 'नियम' किसी भी व्यक्ति के पद से बड़े होते हैं। लोकसभा अध्यक्ष को हटाने के लिए करीब 118 विपक्षी सांसदों के समर्थन से यह अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था। विपक्षी दलों का मुख्य आरोप था कि ओम बिरला का व्यवहार पक्षपातपूर्ण रहा है और वे सदन में निष्पक्षता बनाए रखने में विफल रहे हैं। हालांकि, दो दिनों तक चली तीखी बहस के बाद जब बुधवार को मतदान की बारी आई, तो पीठासीन अध्यक्ष जगदंबिका पाल के नेतृत्व में हुए ध्वनि मत में यह प्रस्ताव गिर गया। प्रस्ताव गिरने के बाद सदन को दिनभर के लिए स्थगित कर दिया गया था। गुरुवार को सदन को संबोधित करते हुए ओम बिरला ने अत्यंत कड़े शब्दों में कहा कि कुछ सदस्यों को लगता है कि नेता प्रतिपक्ष सदन से ऊपर हैं और वे किसी भी विषय पर बोल सकते हैं, लेकिन ऐसा कोई विशेषाधिकार किसी को प्राप्त नहीं है।

नवरात्रि स्पेशल : 15 दिन तक लगता है भव्य मेला, भक्तों की हर मुराद पूरी करती है मां बाला सुंदरी

नई दिल्ली। 19 मार्च से देशभर में चैत्र नवरात्रि की शुरुआत होने वाली है, और ऐसे में हर देवी मंदिर में खास तैयारी होने लगती है। देश के कई ऐसे मंदिर हैं, जहां चैत्र नवरात्रि के आगमन के साथ ही मेले की तैयारियां शुरू हो जाती हैं। हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले के त्रिलोकपुर में महामाया का देवी मां बाला सुंदरी मंदिर स्थित है, जहां 15 दिनों तक मेले का आयोजन चलता है। हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले के त्रिलोकपुर में महामाया की देवी मां बाला सुंदरी का मंदिर है, जहां दर्शन मात्र से ही भक्तों के पाप कट जाते हैं। मां बाला सुंदरी जी को शक्ति, समृद्धि और सुरक्षा की देवी के रूप में पूजा जाता है।

नफरत की राजनीति छोड़ जांच पर भरोसा रखें-जेपी

क्या सरकार फारूक को मारना चाहती है-मल्लिकार्जुन खड़गे......

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारतीय संसद का माहौल अक्सर गर्म रहता है, लेकिन बुधवार को राज्यसभा में जो दृश्य देखने को मिला, उसने देश की सुरक्षा और राजनीति के अंतर्संबंधों पर एक नई बहस छेड़ दी है। जम्मू में नेशनल कॉन्फ्रेंस के दिग्गज नेता डॉ. फारूक अब्दुल्ला पर हुए जानलेवा हमले की आंच अब दिल्ली के गलियारों तक पहुंच चुकी है। संसद के बजट सत्र के दौरान इस मुद्दे पर विपक्ष और सत्ता पक्ष के बीच ऐसी तीखी नोकझोंक हुई, जिसने सदन की गरिमा और सुरक्षा के प्रोटोकॉल, दोनों को केंद्र में ला खड़ा किया।

एक आम नागरिक के लिए यह खबर सिर्फ एक राजनीतिक बयानबाजी नहीं है, बल्कि यह सवाल है कि अगर जेड-प्लस सुरक्षा वाले पूर्व मुख्यमंत्री सुरक्षित नहीं हैं, तो आम आदमी की सुरक्षा का जिम्मा किसके कंधों पर है कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने इस मुद्दे को उठाते हुए सीधे तौर पर केंद्र सरकार की घेराबंदी की। उन्होंने अत्यंत गंभीर लहजे में आरोप लगाया कि फारूक अब्दुल्ला की सुरक्षा आज बड़े खतरे में है। खड़गे ने इस हमले के पीछे जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा न दिए जाने को एक प्रमुख कारण बताया। उन्होंने तर्क दिया कि चूंकि वहां की पुलिस और सुरक्षा व्यवस्था की सीधी जिम्मेदारी अब केंद्रीय गृह मंत्री के पास है, इसलिए वहां कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। खड़गे ने सदन में यहां तक कह दिया कि क्या सरकार का इरादा फारूक अब्दुल्ला को खत्म करने का है, क्योंकि जो नेता धर्मनिरपेक्षता और देश को जोड़ने की बात करते हैं।

एलपीजी संकट के बीच भारत सरकार का राहत भरा बयान

भारत सिर्फ पश्चिम एशिया पर निर्भर नहीं है-हरदीप सिंह पुरी...

नई दिल्ली/ एजेंसी

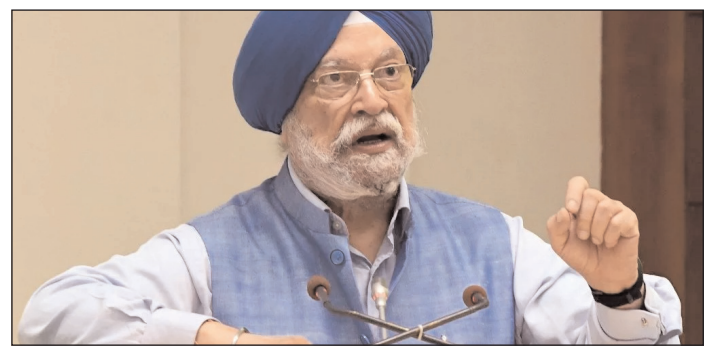

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने गुरुवार को कहा कि देश में ईंधन की कोई कमी नहीं है और भारत के पास इस समय पर्याप्त कच्चे तेल का भंडार मौजूद है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अफवाहें न फैलाएं और फर्जी जानकारी से बचें। संसद में बोलते हुए केंद्रीय मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि भारत में ऊर्जा की उपलब्धता पूरी तरह सुरक्षित है। उन्होंने आगे कहा कि भारत की कच्चे तेल की आपूर्ति की स्थिति सुरक्षित है, और हमारे पास जितना तेल उपलब्ध है, वह स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से मिलने वाली आपूर्ति से कही अधिक है। देश में इस समय भयानक एलपीजी गैस संकट देखने को मिल रहा है। गैस एजेंसी के सामने लंबी लाइन लग रही हैं। इसी बीच हरदीप सिंह पुरी ने राहत भरी बात कही है और देश को भरोसा दिलाया है कि भारत के पास पर्याप्त ईंधन है। उन्होंने कहा कि कालाबाजारी को रोकने के लिए सरकार ने अहम कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। पुरी के अनुसार 45 दिनों के बाद ग्रामीण इलाकों में और 25 दिनों बाद शहरी इलाकों में दूसरे एलपीजी सिलेंडर की बुकिंग होगी। पुरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मजबूत कूटनीतिक पहल और अंतरराष्ट्रीय संबंधों की वजह से भारत ने इतना कच्चा तेल सुरक्षित कर लिया है, जो संकट के कारण प्रभावित हुए स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से मिलने वाली मात्रा से भी अधिक है। उन्होंने बताया कि पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच भारत अपने ऊर्जा आयात के स्रोतों को विविध बना रहा है। इसके

तहत देश अब सिर्फ पश्चिम एशिया पर निर्भर नहीं है और घरेलू गैस सप्लाई भी स्थिर बनी हुई है। उन्होंने कहा कि भारत लगभग 40 देशों से कच्चा तेल आयात करता है, जिससे विभिन्न मार्गों के जरिए ऊर्जा आपूर्ति जारी रहती है और मौजूदा संघर्ष के बावजूद देश में ईंधन की उपलब्धता पर कोई बड़ा असर नहीं पड़ा है। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी कहते हैं, संकट से पहले, भारत के खाद्य आयात का लगभग 45त्न हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरता था। माननीय प्रधानमंत्री की उत्कृष्ट कूटनीतिक पहल और सद्भावना के कारण, भारत ने इतनी मात्रा में खाद्य सामग्री प्राप्त कर ली है जो बाधित होर्मुज जलडमरूमध्य से उसी अवधि में प्राप्त की जा सकने वाली मात्रा से कहीं अधिक है इससे पहले एलपीजी शॉर्टेज के मुद्दे पर विपक्ष ने आज सरकार को जमकर घेरा। संसद के बाहर विपक्षी सांसद इकट्ठा हुए और राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए सरकार पर तंज कसा और लिखा कि संसद से नरेंदर गायब और देश से सिलेंडर गायब। इससे पहले अखिलेश यादव भी इसी मुद्दे को लेकर सरकार पर निशाना साध चुके हैं। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के असर से देश में एलपीजी आपूर्ति को लेकर चिंता बढ़ने लगी है। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को लोगों से घबराने से बचने की अपील की। उन्होंने कहा कि सरकार जनहित की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री ने नागरिकों से आग्रह किया कि वह किसी भी तरह की अफवाहों से दूर रहें।

संकट में ईरान ने निभाई दोस्ती: होर्मुज के रास्ते मुंबई पहुंचा पहला क्रूड ऑयल टैंकर, खत्म होगी एलपीजी की किल्लत!

मध्य-पूर्व में ईरान और इजरायल-अमेरिका के बीच जारी भीषण संघर्ष और तनावपूर्ण हालातों के बीच भारत के लिए एक बड़ी राहत भरी खबर आई है। महीनों से कच्चे तेल की किल्लत और एलपीजी के लिए मची हाहाकार के बीच, पहला कच्चा तेल टैंकर 'शेनलोंग' सुरक्षित रूप से मुंबई के बंदरगाह पर पहुंच गया है। लाइबेरियाई ध्वज वाला यह विशाल टैंकर सऊदी अरब के 'रास तनुरा' बंदरगाह से कच्चा तेल लेकर चला था। युद्ध के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही पर लगे कड़े प्रतिबंधों के बीच इस टैंकर का भारत पहुंचना एक बड़ी कूटनीतिक जीत मानी जा रही है।

CMYK

राष्ट्रपति का अपमान आदिवासी समाज कतई बर्दाश्त नही करेगा, इस कृत्य के लिए ममता बनर्जी सार्वजनिक माफी मांगे : नीलकंठ टेकाम

धमतरी। गोंडवाना गोंड महासभा छत्तीसगढ़ द्वारा 07 मार्च को पश्चिम बंगाल में आयोजित 9वें अंतरराष्ट्रीय संथाल सम्मेलन के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के साथ हुए अपमान की घोर निंदा किए हैं। महासभा के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक केशकाल नीलकंठ टेकाम ने कहा कि ममता बनर्जी का यह कृत्य न केवल अशिष्ट आचरण की पराकाष्ठा है, बल्कि हमारे देश के लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक मर्यादाओं की हत्या है। भारत की प्रथम नागरिक राष्ट्रपति मुर्मू का जिस तरह से बंगाल की ममता सरकार ने अनादर किया है, उसने देश के हर आदिवासी और नारी का सिर शर्म से झुका दिया है। टेकाम ने कहा कि प.बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को इस अपमानजनक व्यवहार के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू एवं पूरे आदिवासी समाज और देशभर की मातृशक्ति से सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। टेकाम ने कहा कि यह भारत के इतिहास में शायद पहली बार हुआ है कि देश की राष्ट्रपति किसी राज्य के दौरे पर हों और न तो वहां की मुख्यमंत्री और न ही कोई वरिष्ठ मंत्री उनके स्वागत के लिए उपस्थित हों। यह केवल

एक प्रशासनिक चूक नहीं, बल्कि राष्ट्रपति पद और संविधान का जान बूझकर किया गया अपमान है। टेकाम ने सवाल किया कि पहले से तय सिलीगुड़ी के बिधाननगर जैसे सुलभ स्थल को अंतिम समय में बदलकर बागडोंगरा के गोसाईनपुर जैसे दुर्गम और छोटे स्थान पर क्यों ले जाया गया? क्या ममता सरकार डर गई थी कि राष्ट्रपति को सुनने के लिए उमड़ने वाला आदिवासियों का सैलाब उनकी सत्ता हिला देगा? स्वयं महामहिम को सार्वजनिक मंच से कहना पड़ा, यदि स्थान बड़ा होता, तो अधिक आदिवासी लोग शामिल हो पाते। ममता बनर्जी ने अपनी राजनीतिक ईर्ष्या के कारण हजारों आदिवासी भाई.बहनों को राष्ट्रपति के संबोधन से वंचित कर दिया। टेकाम ने कहा कि भारत के इतिहास में पहली बार एक आदिवासी महिला इस सर्वोच्च पद पर आसीन हुई हैं। ममता बनर्जी खुद को महिलाओं की हितैषी बताती हैं, लेकिन एक आदिवासी महिला राष्ट्रपति का स्वागत न करना उनकी संकीर्ण मानसिकता और दलित.आदिवासी विरोधी चेहरे को उजागर करता है। ममता बनर्जी ने बंगाल में लोकतंत्र को पहले ही समाप्त कर दिया है और अब वे संवैधानिक संस्थाओं को भी चुनौती दे रही हैं। राष्ट्रपति का पद दलगत राजनीति से ऊपर होता है। लेकिन बंगाल सरकार ने इसे अपनी तुच्छ राजनीति का अखाड़ा बना दिया है। टेकाम ने कहा कि ममता सरकार स्पष्ट करे कि राष्ट्रपति के स्वागत के लिए प्रोटोकॉल का पालन क्यों नहीं किया गया।
कार्यक्रम स्थल को अंतिम क्षणों में दुर्गम स्थान पर स्थानांतरित करने के पीछे किसका हाथ था। टेकाम ने कहा कि देश का आदिवासी समाज जाग चुका है। हम अपनी बेटी और देश की राष्ट्रपति का अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे। यदि सार्वजनिक माफी नहीं मांगी गई, तो इसका करारा जवाब लोकतांत्रिक तरीके से दिया जाएगा। टेकाम जी ने कहा कि ममता बनर्जी द्वारा बंगाल में राष्ट्रपति को रिसीव न करना एक सोची.समझी रणनीति लगती है। यह समझना होगा कि द्रौपदी मुर्मू केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि करोड़ों आदिवासियों और महिलाओं की प्रेरणा हैं। उनका अपमान भारत की लोकतांत्रिक जड़ों को खोखला करने जैसा है। ममता बनर्जी सरकार के इस कृत्य की निंदा करने वालों में प्रमुख महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एस पी शोरी, राष्ट्रीय महासचिव लोकेंद्र सिंह, संरक्षक बी पी एस नेताम, प्रदेश महासचिव आर एन ध्रुव, प्रदेश उपाध्यक्ष चंद्रिका प्रसाद ठाकुर, डॉ शंकर लाल उइके, अंबिका प्रसाद शांडिल्य, बलदाऊ ध्रुव, प्रांतीय कोषाध्यक्ष फूल सिंह नेताम, प्रदेश संगठन मंत्री डॉ एल एस ध्रुव, संयुक्त सचिव विजय कौशिक, जागेश्वर नेताम, भुवनेश्वर सिदार, प्रदेश अध्यक्ष महिला प्रभाग बसंता ठाकुर, प्रदेश अध्यक्ष युवा प्रभाग चेमसिंह मरकाम, मीडिया प्रभारी रोहित कुमार मरकाम, जीवराखन लाल उसारे, शिवचरण नेताम, सुदर्शन ठाकुर, हूलार सिंह कोर्राम प्रमुख हैं।

बलौदा बाजार की संस्कृतिः न कांग्रेस न बीजेपी आपसी सौहार्द और मधुर संबंधों की मिसाल

बलौदा बाजार। छत्तीसगढ़ के बलौदा बाजार जिले की पहचान केवल व्यापार और विकास से ही नहीं, बल्कि यहां की अनूठी सामाजिक संस्कृति से भी है। यहां के लोगों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि राजनीतिक विचारधाराओं से ऊपर उठकर सभी लोग आपस में मधुर संबंध बनाए रखते हैं। चाहे कोई कांग्रेस से जुड़ा हो या बीजेपी से, सामाजिक और पारिवारिक रिश्तों में कभी भी राजनीति आड़े नहीं आती। बलौदा बाजार में विभिन्न सामाजिक, धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सभी वर्गों और सभी राजनीतिक दलों के लोग एक साथ मिलकर भाग लेते हैं। त्योहारों, पारिवारिक आयोजनों और सामाजिक कार्यक्रमों में लोग बिना किसी भेदभाव के एक-दूसरे के साथ खड़े नजर आते हैं। यही वजह है कि यहां का माहौल हमेशा सौहार्दपूर्ण और भाईचारे से भरा रहता है। स्थानीय नागरिकों का मानना है कि राजनीति अपनी जगह है, लेकिन सामाजिक

रिश्ते उससे कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण हैं। यही सोच बलौदा बाजार की पहचान बन गई है। यहां के लोग एक-दूसरे के सुख-दुख में साथ खड़े रहते हैं और यही आपसी एकता इस क्षेत्र की सबसे बड़ी ताकत मानी जाती है। समाज केवल व्यापारिक गतिविधियों से ही नहीं, बल्कि यहां की सामाजिक सौहार्द और भाईचारे की परंपरा से भी होती है। यहां के लोगों की खासियत यह है कि चाहे कोई कांग्रेस से जुड़ा हो या बीजेपी से, लेकिन सामाजिक जीवन में किसी प्रकार का रंगभेद या राजनीतिक दूरी देखने को नहीं मिलती। सभी लोग आपस में मधुर संबंध बनाए रखते हैं और एक-दूसरे के सुख-दुख में साथ खड़े रहते हैं। स्थानीय नागरिकों और समाजसेवियों का कहना है कि बलौदा बाजार की यही संस्कृति इसे अन्य स्थानों से अलग बनाती है। यहां राजनीतिक विचारधाराएं अपने स्थान पर हैं, लेकिन सामाजिक संबंध और आपसी भाईचारा उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण माना जाता है। त्योहारों, धार्मिक आयोजनों, सामाजिक कार्यक्रमों और पारिवारिक समारोहों में सभी दलों और वर्गों के लोग मिल-जुलकर हिस्सा लेते हैं यह मिसाल आज होली में देखने को मिली।

कलेक्टर ने कृषि एवं समवर्गीय विभागों की ली संयुक्त समीक्षा बैठक

गरियाबंद। जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर बी.एस. उइके की अध्यक्षता में कृषि, पशुपालन, उद्यानिकी, रेशम, क्रेड़ा, बीज निगम, मछलीपालन विभागो सहित बैंक, मंडी, सहकारी संस्थाओं की संयुक्त समीक्षा बैठक ली। कलेक्टर ने कहा कि कृषि, पशुपालन, उद्यानिकी और मछलीपालन ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, इसलिए सभी विभागों का आपस में समन्वय होना बहुत जरूरी है। इसके लिए सभी संबंधित विभाग को मिलकर जिले में अच्छे से कार्य करना होगा। उन्होंने पीएम किसान की समीक्षा करते हुए ईकेवाईसी, लैण्ड सिडिंग, आधार सिडिंग, पीएम किसान सम्मान निधि योजना, एग्रीस्टेक पंजीयन के लक्ष्य पुर्ति के प्रगति के संबंध में विकासखण्डवार विस्तार पूर्वक जानकारी ली। उन्होंने कृषि सीजन के समय किसानों को उन्नत बीज, खाद एवं कीटनाशक समय पर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने फसल विविधीकरण, सूक्ष्म सिंचाई

प्रणाली एवं जैविक खेती के विस्तार पर विशेष जोर देते हुए कहा कि प्रत्येक ग्राम पंचायतों में किसानों को जैविक खेती, दलहन-तिलहन एवं उन्नत खेती से जोड़ा जाए। इस दौरान बैठक में उप संचालक कृषि चंदन रॉय, पशु चिकित्सा सेवाएं के उप संचालक ओ.पी तिवारी, सहायक संचालक मत्स्य एमएस कमल, क्रेड़ा के सहायक अभियंता तुलसीराम ध्रुव सहित संबंधित अधिकारी मौजूद थे। पशुपालन विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने गौधाम के सुचारु संचालन, दुग्ध उत्पादन बढ़ाने, तथा टीकाकरण अभियान की प्रगति पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि पशु स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन ग्राम स्तर पर नियमित रूप से किया जाए ताकि पशुपालकों को तत्काल सुविधा मिल सके। उन्होंने 21 पशु संगणना, कृत्रिम गर्भाधान एवं वत्सोत्पादन, पशुओं के टीकाकरण, मोबाईल वेटनरी युनिट के कार्यो, व्यक्तिमूलक योजना जैसे- बैकयार्ड कुक्कुट, सूकरत्रयी, सांड, बकरा वितरण, उन्नत मादा वत्स पालन की जानकारी लेते हुए निर्धारित समय पर लक्ष्य अनुरूप कार्य करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने मछलीपालन विभाग की समीक्षा में तालाब एवं जलाशय का पट्टा वितरण, मत्स्य बीज संवर्धन केंद्रों की स्थिति और मत्स्य पालकों को दिए जा रहे प्रशिक्षण की जानकारी ली। मत्स्य विभाग के अधिकारी ने बताया कि जिले के चयनित मत्स्य पालक किसानों को अध्ययन भ्रमण के लिए आंध्रप्रदेश भेजा गया है।

ग्राम करमदा में 09 दिवसीय नवधा रामायण प्रतियोगिता प्रारंभ

जिला पंचायत अध्यक्ष आकांक्षा (गोलू) जायसवाल ने जलाई अखंड ज्योत

बलौदाबाजार। बलौदाबाजार जनपद पंचायत बलौदाबजार अंतर्गत ग्राम करमदा में 09 दिवसीय नवधा रामायण प्रतियोगिता 10.03.2026 से 19.03.2026 तक आयोजित है जिसके सुभारंभ के अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष आकांक्षा जायसवाल उपस्थित हुई, उनके आगमन पर ग्राम वासियों के द्वारा भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान ग्राम के महिलाओं के द्वारा कलश यात्रा करते हुए सम्पूर्ण ग्राम का भ्रमण किये। नवधा रामायण प्रतियोगिता का सुभारंभ मुख्य अतिथि आकांक्षा जायसवाल ने द्वारा अखंड ज्योत जलाकर की। रामायण प्रतियोगिता के सुभारंभ से सम्पूर्ण ग्रामवासी रामनाम संकिर्तन में मग्न हो गये। आयोजित नवधा रामायण

प्रतियोगिता में उत्कृष्ट सुगम संगीत एवं लोक संगीत प्रस्तुत करने वाले टोलियों के लिए अलग-अलग इनाम रखा गया है। उक्त अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष ने रामायण के महत्व के बारे मे बताया और काहा की भगवान राम की सम्पूर्ण जीवन हमे सत्य के मार्ग पर चलना सीखाती है। रामायण के प्रत्येक अध्याय हमे श्रेष्ठ जीवन यापन हेतु प्रेरणा देती है। तुलसी इस संसार में पांच रत्न है सार, साधु मिलन और हरि भजन दया दीन उपकार आयोजिक कार्यक्रम में मुख्य रूप से जनपद पंचायत सदस्य राजेश कुमार नेताम जी उपस्थित रहें एवं सरस्वती चंद्रिका वर्मा सरपंच ग्राम पंचायत करमदा, रामप्रसाद साहू, रामनाथ सोनी, भुखन लाल यादव, माखन वर्मा, चतुर सिंह साहू महावीर साहू, रिखीराम वर्मा एवं अन्य ग्रामवासी भारी संख्या में उपस्थित रहें।

भवरचुवा - मधुबन - डोंगरीपाली मार्ग पर पुलिया निर्माण के लिए 6 करोड़ स्वीकृत

भंवरपुर। क्षेत्र के दूरस्थ वनांचल ग्राम भवरचुवा मधुबन से डोंगरीपाली को जोड़ने वाला मार्ग सरसिवा और सरायपाली को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है। इस मार्ग पर उच्च स्तरीय पुल निर्माण हेतु 6 करोड़ स्वीकृत होने से 20 साल पुरानी मांग पूरी होने पर क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर देखी जा रही है। गौरतलब है कि लंबे समय से अधूरे कार्य और नाले पर पुल निर्माण नहीं होने के कारण क्षेत्रवासियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। यह सड़क लगभग 20 वर्ष पूर्व प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बनाई गई थी, लेकिन बीच में पड़ने वाले नाले पर पुल का निर्माण नहीं हो पाने से विशेषकर बरसात के समय आवागमन बाधित हो जाता था।

क्षेत्र की इस महत्वपूर्ण समस्या को देखते हुए संचार एवं संकर्म के सभापति एवं क्षेत्र की जनपद सदस्य मीरा ऋषिकेश पटेल ने सभापति प्रकाश सिन्हा के सहयोग एवं मार्गदर्शन में लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर इस कार्य को बजट में शामिल कराने के लिए पहल की। जिस पर सकारात्मक निर्णय लेते हुए राज्य सरकार द्वारा बजट में 6 करोड़ रुपये की राशि भवरचुवा मधुबन से डोंगरीपाली पहुंच मार्ग के निर्माण तथा नाले पर उच्च स्तरीय पुल निर्माण के लिए स्वीकृत की गई है। इस स्वीकृति से क्षेत्र के ग्रामीणों में खुशी का माहौल है और उन्होंने राज्य सरकार एवं जनप्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया है।

महा रोजगार मेला का आयोजन अब 20 मार्च को

धमतरी। जिले के विभिन्न व्यवसायिक केन्द्रों, युवा कार्यक्रमों एवं विभिन्न सेक्टरों में कौशल प्रशिक्षित बेरोजगार युवाओं को रोजगार उपलब्ध के लिए अब 20 मार्च 2026 को महा रोजगार मेला लाइवलिहुड कॉलेज धमतरी में आयोजन किया जाएगा। गौरतलब है कि यह महा रोजगार मेला पूर्व में 13 मार्च 2026 को लगने वाला था, जो कि अब 20 मार्च 2026 को आयोजित किया जाएगा। कलेक्टर सह अध्यक्ष जिला परियोजना लाईवलीहुड कॉलेज अबिनाश मिश्रा के निर्देश पर आयोजित इस मेले में विभिन्न सेक्टरों की प्रतिष्ठित कंपनियों और नियोजकों को आमंत्रित किया गया है। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि जिले के विभिन्न व्यावसायिक केंद्रों, युवा कार्यक्रमों तथा कौशल प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए यह आयोजन किया जा रहा है। रोजगार मेले में आईटी, कंस्ट्रक्शन, इलेक्ट्रॉनिक्स, हार्डवेयर, सुरक्षा गार्ड, रिटेल, ऑटोमोटिव सहित विभिन्न क्षेत्रों की कंपनियां शामिल होंगी। रोजगार मेला में कंप्यूटर ऑपरेटर, सॉफ्टवेयर डिजाइनर, इलेक्ट्रीशियन, कंप्यूटर हार्डवेयर रिपेयर, प्लंबर, सेल्समैन, सुरक्षा गार्ड और टैक्सी ड्राइवर जैसे पदों के लिए लगभग 400 युवाओं के नियोजन का लक्ष्य रखा गया है। स्थानीय स्तर के नियोजकों को प्राथमिकता देते हुए जिला रोजगार कार्यालय को संबंधित कंपनियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही रोजगार मेले में भाग लेने वाले नियोजकों की जानकारी पूर्व में लाइवलीहुड कॉलेज धमतरी को उपलब्ध कराने को कहा गया है।

कुरुद में एनएसयूआई की बैठक संपन्न, जागेन्द्र सिंह बने कुरुद के नए ब्लॉक अध्यक्ष

धमतरी। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन एनएसयूआई जिला धमतरी के अध्यक्ष राजा देवांगन के नेतृत्व में कुरुद ब्लॉक की महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक संपन्न हुई। बैठक में संगठन की मजबूती, आगामी कार्ययोजना और छात्र हितों के लिए संघर्ष पर विस्तृत चर्चा की गई। जिलाध्यक्ष राजा देवांगन ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए संगठन विस्तार और अधिक से अधिक नए छात्रों को संगठन से जोड़ने की प्राथमिकता तय की।

एनएसयूआई की रीति.नीति से प्रभावित होकर छात्र ले रहे सदस्यता

बैठक के दौरान जिलाध्यक्ष राजा देवांगन ने कहा कि एनएसयूआई की छात्र हितैषी कार्यप्रणाली से प्रभावित होकर जिले भर में छात्र.छात्राएं लगातार संगठन की सदस्यता ले रहे हैं। जिले भर में जिलाध्यक्ष द्वारा सतत दौरा कर नए छात्रों को जोड़ा जा रहा है, जिससे संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूती मिल रही है।

नई नियुक्तियों की घोषणा

संगठन को गति देने के लिए जिलाध्यक्ष राजा देवांगन ने कुरुद ब्लॉक एवं कॉलेजों के लिए नई कार्यकारिणी की घोषणा की। नियुक्तियां इस प्रकार हैं-जागेन्द्र सिंह ब्लॉक अध्यक्ष कुरुद, होमेन्द्र साहू ब्लॉक उपाध्यक्ष कुरुद, ऋ षभ बंजारे अध्यक्ष संत गुरु घासीदास शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कुरुद, युगल बैस अध्यक्ष दाऊ कल्याण सिंह सोनवानी महाविद्यालय जिजामगांव, अजय दीवान अध्यक्ष कुरुद ब्लॉक स्कूल यूनिट।

वरिष्ठ पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति

बैठक में मुख्य रूप से जिला महासचिव तेजप्रताप साहू, जिला सचिव सुदीप सिन्हा, भखारा ब्लॉक अध्यक्ष सौरभ पाल, मगरलोड ब्लॉक अध्यक्ष सूरज सिन्हा एवं कुरुद विधानसभा उपाध्यक्ष यश चंद्राकर उपस्थित रहे। इनके साथ ही नवीन साहू, आदित्य साहू, रोहन साहू, विनय दीवान, ललित यादव, चित्रांश पटेला, ड्रोन बघेल, हिमांशु साहू सहित बड़ी संख्या में एनएसयूआई के पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने संकल्प लिया कि वे पूरी निष्ठा के साथ छात्र हितों की रक्षा करेंगे।

अल्ट्राटेक कुकुरदी सीमेंट संयंत्र द्वारा तालाब सौन्दर्याकरण हेतु भूमिपूजन

बलौदाबाजार। अल्ट्राटेक कुकुरदी सीमेंट संयंत्र द्वारा इकाई प्रमुख पवन कुलकर्णी के दिशा निर्देश तथा एचआर प्रमुख प्रतीक भटनागर के मार्गदर्शन में निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत ग्राम पंचायत कुकुरदी में तालाब सौन्दर्याकरण हेतु भूमिपूजन किया गया। यह कार्यक्रम सरपंच टिकेश्वर ध्रुव, उपसरपंच डोमार साहू एवं गणमान्य नागरिको व बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति में सपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ सरपंच व ग्रामीणों तथा अल्ट्राटेक से उपस्थित अधिकारियों के उपस्थिति में नारियल तोडकर व भूमिपुजन कर संपन्न हुआ। कार्यक्रम में ग्रामीणों को सबोधित करते हुए अल्ट्राटेक

सीएआर प्रमुख राजेन्द्र कुशवाहा ने कहा कि तालाब का सौन्दर्यीकरण जहां लोगों को निस्तारी के लिए साल भर साफ पानी मिलेगा वहीं जल संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। इस शुभारंभ अवसर पर सरपंच, उपसरपंच तथा उपस्थित ग्रामिणों द्वारा अल्ट्राटेक प्रबंध को उनके जनहितैषी कार्य के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सीएसआर टीम से दया वर्मा, परमेश्वर साहु, का विशेष योगदान रहा।

राष्ट्रीय साधन सह प्रावीण्य छात्रवृत्ति परीक्षा 2 मई को

धमतरी। भारत सरकार शिक्षा मंत्रालय, स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग नई दिल्ली द्वारा राष्ट्रीय साधन सह प्रावीण्य छात्रवृत्ति योजना के तहत राज्य के कक्षा आठवीं में अध्ययनरत आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। इसके तहत परीक्षा 2 मई 2026 को आयोजित की जाएगी। पहला पेपर सुबह 10 से 11.30 बजे तक और दूसरा पेपर दोपहर 1 से 2.30 बजे तक आयोजित किया जाएगा। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि परीक्षा के लिए जिले में 4 परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं। धमतरी विकासखण्ड में डॉ शोभाराम देवांगन शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कुरूद विकासखण्ड में स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय कुरूद, मगरलोड विकासखण्ड में शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मगरलोड और नगरी विकासखण्ड में शहीद अभिषेक गोलछा शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नगरी शामिल हैं। जिला शिक्षा अधिकारी ने यह भी बताया कि राष्ट्रीय साधन सह प्रावीण्य छात्रवृत्ति परीक्षा सत्र 2025-26 के लिए निःशुल्क ऑफलाईन/ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। विद्यार्थी के लिए 20 मार्च 2026, प्राचार्य/प्रधान पाठक के लिए 23 मार्च 2026 और परीक्षा केन्द्राध्यक्ष के लिए 2 अप्रैल 2026 आवेदन की तिथियां निर्धारित की गई हैं।

मोर्चा कार्यकर्ता योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं : प्रकाश बैस

अनु.ज.जा. मोर्चा की परिचयात्मक बैठक भाजपा कार्यालय में संपन्न

धमतरी। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय धमतरी में अनुसूचित जनजाति मोर्चा की परिचयात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन को मजबूत करने, जनजातीय समाज के बीच भाजपा की नीतियों और योजनाओं को प्रभावी ढंग से पहुंचाने तथा आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष प्रकाश बैस ने कहा कि भाजपा हमेशा से जनजातीय समाज

के उत्थान और विकास के लिए प्रतिबद्ध रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और राज्य में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार जनजातीय क्षेत्रों के विकास के लिए अनेक योजनाएं चला रही है। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जनजाति मोर्चा के कार्यकर्ता इन योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। भाजपा जिला महामंत्री महेंद्र पंडित ने कहा कि संगठन की मजबूती कार्यकर्ताओं की सक्रियता से ही संभव है। उन्होंने मोर्चा के पदाधिकारियों और मंडल अध्यक्षों से आग्रह किया कि वे अपने.अपने क्षेत्रों में संगठन को और सशक्त बनाते हुए समाज के बीच लगातार संवाद बनाए रखें। भाजपा जिला महामंत्री राकेश साहू ने कहा कि भाजपा का संगठन कार्यकर्ता आधारित है। अनुसूचित जनजाति मोर्चा के माध्यम से जनजातीय समाज के मुद्दों को संगठन तक पहुंचाने और उनके समाधान के लिए प्रभावी प्रयास किए जाएंगे। अनुसूचित जनजाति मोर्चा जिलाध्यक्ष मोहन पुजारी ने कहा कि मोर्चा के कार्यकर्ता जनजातीय समाज के बीच जाकर भाजपा की रीति.नीति और सरकार की योजनाओं की जानकारी देंगे। उन्होंने सभी मंडल अध्यक्षों से संगठन को गांव.गांव तक मजबूत करने का आह्वान किया। बैठक में नगरी जनपद अध्यक्ष महेश गोटा, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी उमेश साहू, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष शुभांक मिश्रा, अजजा मोर्चा महामंत्री रामखीलावन कंवर, श्याम मंडावी सहित अन्य पदाधिकारी साथ सभी मंडल अध्यक्षगण लेखराम नेताम, राम रोशन ध्रुव, उमेश्वर नेताम, रामकुमार ध्रुव, कचरू राम नेताम, दुलेश्वर ध्रुव, नंदकुमार नेताम, पीतांबर ध्रुव, कृपाराम ध्रुव, नागेंद्र बोरझा, विमल ध्रुव, अक्कू ध्रुव, प्रेमलाल सलाम, रूपाली ध्रुव, दिलीप नाग, नरेश कंवर, ललित दीवान, अरुण कंवर उपस्थित थे। उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी उमेश साहू द्वारा दी गई।

संक्षिप्त समाचार

अवैध कोल लेवी मामले में बड़ी कार्रवाईः राकेश जैन के खिलाफ 1200 पेज का पूरक चालान पेश

रायपुर। बहुचर्चित अवैध कोल लेवी वसूली मामले में राज्य आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो और एंटी करप्शन ब्यूरो ने जांच में अहम प्रगति करते हुए आरोपी राकेश जैन के खिलाफ विशेष न्यायालय (भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम) रायपुर में लगभग 1200 पेज का पूरक चालान पेश किया है। यह चालान मंगलवार 10 मार्च 2026 को प्रस्तुत किया गया। जांच एजेंसी के अनुसार अपराध क्रमांक 03/2024 में आरोपी राकेश जैन के खिलाफ भा.द.वि. की धारा 120बी, 420, 384, 467, 468, 471 तथा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधित 2018) की धारा 7, 7ए और 12 के तहत आरोप लगाए गए हैं। वर्तमान में आरोपी केंद्रीय जेल रायपुर में निरुद्ध है। जांच में सामने आया कि अवैध कोल लेवी की रकम ज्यादातर नकद में वसूली जाती थी। जिन लोगों के पास नकद राशि नहीं होती थी, उनके लिए सूर्यकांत तिवारी द्वारा शेल कंपनियों की व्यवस्था की जाती थी। इन कंपनियों और बैंक खातों के माध्यम से अवैध धन को वैध दिखाने के लिए फर्जी बिलिंग और अलग-अलग खातों में ट्रांजेक्शन किए जाते थे। ईओडब्ल्यू की जांच में यह भी खुलासा हुआ कि आरोपी के नेटवर्क के जरिए कम से कम 40 करोड़ रुपये की राशि को बैंकिंग चैनलों के माध्यम से घुमाकर नकद में बदला गया और फिर यह रकम कथित तौर पर सूर्यकांत तिवारी तक पहुंचाई जाती थी। इस मामले में पहले भी कई आरोपियों के खिलाफ चालान पेश किए जा चुके हैं। जुलाई 2024 में 15 आरोपियों, अक्टूबर 2024 में 2 आरोपियों, अक्टूबर 2025 में 2 आरोपियों और दिसंबर 2025 में 1 आरोपी के खिलाफ पूरक चालान पेश किया गया था। जांच एजेंसी के अनुसार आरोपी राकेश जैन का नाम अन्य मामलों, विशेषकर लिकर स्कैम की जांच में भी सामने आया है, जहां उसने कथित रूप से अवैध धन की लेयरिंग और बैंक एंट्री कराने में भूमिका निभाई थी। फिलहाल प्रकरण की जांच जारी है और इस अवैध नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

तेज रफ्तार हाईवा की चपेट में आने से बुजुर्ग महिला की मौत ग्रामीणों ने किया चक्का जाम

रायपुर। सड़क किनारे पैदल चल रही एक बुजुर्ग महिला को तेज रफ्तार हाईवा ने कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने हाईवा को जब्त कर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, कोटा थाना क्षेत्र के ग्राम मझवानी निवासी जमुना गोड़ (65), पति पंचराम, अपने रिश्तेदार के घर शादी समारोह में शामिल होने ग्राम रतखंडी आई हुई थीं। मंगलवार को वह सड़क किनारे पैदल जा रही थीं। इसी दौरान कोटा की ओर से तेज गति से आ रहे हाईवा वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि महिला वाहन के पहिए के नीचे आ गई और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही बेलगहना चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई की। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। हादसे के बाद हाईवा चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। दुर्घटना की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और मृतका के परिजनों को उचित मुआवजा देने की मांग करते हुए सड़क पर चक्काजाम कर दिया। स्थिति को देखते हुए प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को समझाइश दी। अधिकारियों ने शासन की ओर से तत्काल सहायता राशि के रूप में 25 हजार रुपए देने की घोषणा की, जिसके बाद ग्रामीणों ने चक्काजाम समाप्त कर दिया और स्थिति सामान्य हो गई।

बिहान से बदली ममता की जिंदगी सब्जी की खेती से ममता बनी आत्मनिर्भर

रायपुर। महिलाओं को अवसर और सहयोग मिले तो ग्रामीण महिलाएं भी अपने परिश्रम से आर्थिक रूप से सशक्त बन सकती हैं और समाज में एक नई पहचान बना सकती हैं। सूरजपुर जिले के ग्राम पंचायत सिलफिल्ली की निवासी ममता विश्वास आज ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन चुकी हैं। कभी सीमित संसाधनों और आर्थिक कठिनाइयों से जूझने वाली ममता ने अपनी मेहनत, लगन और राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान से मिली सहायता के बल पर आत्मनिर्भरता की नई मिसाल पेश की है। ममता विश्वास एकता महिला स्वंय सहायता समूह की सक्रिय सदस्य हैं। समूह से जुड़ने के बाद उन्होंने बचत और स्वावलंबन के महत्व को समझा तथा अपने परिवार की आर्थिक स्थिति सुधारने का संकल्प लिया। बिहान योजना के अंतर्गत बैंक लिंकेज के माध्यम से उन्हें 30,000 रुपये का ऋण प्राप्त हुआ। इस राशि का उपयोग करते हुए ममता ने अपने खेत में सब्जी की खेती शुरू की। आज ममता विश्वास सब्जी उत्पादन और बिक्री से प्रतिवर्ष लगभग 3 लाख से 3 लाख 50 हजार रुपये तक की आय अर्जित कर रही हैं। इससे न केवल उनके परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है, बल्कि वे अपने बच्चों की शिक्षा और घर की जरूरतों को भी आसानी से पूरा कर पा रही हैं। ममता का कहना है कि बिहान योजना और समूह से मिली सहायता ने उनके जीवन में नया आत्मविश्वास पैदा किया है।

करीब 10 साल बाद रायपुर में फिर दिखेगा आईपीएल का रोमांच, आरसीबी के दो मैच कराने की तैयारी

रायपुर। राजधानी रायपुर के क्रिकेट प्रेमियों के लिए अच्छी खबर है। लगभग एक दशक के अंतराल के बाद एक बार फिर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मुकाबले नवा रायपुर स्थित शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित होने की संभावना है। इस बार रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने इस स्टेडियम को अपने होम ग्राउंड के रूप में चुना है और यहां दो मैच आयोजित करने की तैयारी की जा रही है।जानकारी के मुताबिक फ्रेंचाइजी इन मुकाबलों को और अधिक रोमांचक बनाने के लिए चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच आयोजित कराने की योजना बना रही है। अगर यह योजना सफल होती है तो दर्शकों को विराट कोहली, एमएस धोनी और रोहित शर्मा जैसे बड़े खिलाड़ियों को एक ही मैदान पर खेलते देखने का मौका मिलेगा।इन संभावित मुकाबलों को ध्यान में रखते हुए स्टेडियम में सुविधाओं को बेहतर बनाने का काम भी शुरू कर दिया गया है। वीआईपी गैलरी को अधिक आधुनिक बनाने की योजना है।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में छत्तीसगढ़ राजधानी क्षेत्र विकास प्राधिकरण की पहली बैठक आयोजित

योजनाबद्ध विकास से छत्तीसगढ़ को मिलेगा नया ग्रोथ इंजन-मुख्यमंत्री साय

- महानगरों की तर्ज पर विकसित होगा स्टेट कैपिटल रीजन, आधुनिक अधोसंरचना और कनेक्टिविटी को मिलेगी गति
- एससीआर में व्यवस्थित आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार-वाणिज्य, कनेक्टिविटी और आधुनिक अधोसंरचना का होगा तेजी से विकास

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आज विधानसभा परिसर स्थित उनके कार्यालय में छत्तीसगढ़ राजधानी क्षेत्र विकास प्राधिकरण (स्टेट कैपिटल रीजन ङ्क स्ष्टक्र) की पहली बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्राधिकरण के उद्देश्य, कार्यप्रणाली, गतिविधियों तथा राजधानी क्षेत्र के समग्र और योजनाबद्ध विकास की कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्यमंत्री श्री साय ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि राजधानी क्षेत्र विकास प्राधिकरण की परिकल्पना शहर की बढ़ती आबादी को ध्यान में रखते हुए व्यवस्थित आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार-वाणिज्य और रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की गई है। उन्होंने कहा कि प्राधिकरण की पहली बैठक अत्यंत सार्थक रही है और विभिन्न विषयों पर हुई विस्तृत चर्चा के सकारात्मक परिणाम आने वाले समय में स्पष्ट रूप से दिखाई देंगे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राजधानी रायपुर और आसपास के शहर तेजी से विकसित होते हुए एक बड़े शहरी क्षेत्र का रूप ले रहे हैं, इसलिए महानगरों की तर्ज पर इनके संतुलित और योजनाबद्ध विकास की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि स्टेट कैपिटल रीजन की घोषणा से जनता की अपेक्षाएँ भी बढ़ी हैं और इन अपेक्षाओं को पूरा करना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को

निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित योजना और समयसीमा के अनुरूप पूरे किए जाएं तथा प्रगति की नियमित रूप से उच्चस्तरीय समीक्षा सुनिश्चित की जाए। बैठक में बताया गया कि राजधानी रायपुर और उसके आसपास के क्षेत्रों को स्टेट कैपिटल रीजन (स्ष्टक्र) के रूप में विकसित किया जाएगा, जिसमें रायपुर, दुर्ग-भिलाई, नवा रायपुर अटल नगर और आसपास के क्षेत्र शामिल होंगे। यह क्षेत्र बड़े महानगरों की तर्ज पर विकसित किया जाएगा और भविष्य में छत्तीसगढ़ के विकास का एक प्रमुख ग्रोथ इंजन बनेगा। बैठक में राजधानी क्षेत्र में क्षेत्रीय मोबिलिटी और लॉजिस्टिक्स के विकास, मेट्रो संचालन के लिए टेक्नो-इकोनॉमिक फिजिबिलिटी स्टडी, सर्वेक्षण कार्यों के संचालन तथा इसके लिए विशेषज्ञ सलाहकारों की नियुक्ति पर विचार किया गया। साथ ही प्राधिकरण के प्रशासकीय और वित्तीय अधिकारों के प्रत्यायोजन, ऑडिट सेवाओं के लिए चार्टर्ड अकाउंटेंट की नियुक्ति और प्लानिंग प्रभाग के लिए विशेषज्ञ सलाहकारों की सेवाएं लेने के प्रस्तावों पर भी चर्चा की गई। बैठक में राजधानी क्षेत्र विकास एवं निवेश योजना तैयार करने की कार्ययोजना पर भी विचार किया गया। इसके अंतर्गत निवेश क्षेत्रों का विधिवत चिन्हांकन, आवश्यक सर्वेक्षण, अनुसंधान एवं अध्ययन तथा चरणबद्ध रूप से परियोजनाओं के क्रियान्वयन की रणनीति तैयार की जाएगी। साथ ही राजधानी क्षेत्र में भूमि विकास और आबंटन की प्रक्रिया को सरल बनाने के संबंध में भी आवश्यक निर्देश जारी करने पर सहमति बनी। बैठक में प्राधिकरण की प्रारंभिक गतिविधियों के लिए 27 करोड़ रुपये के प्रावधान की जानकारी भी दी गई। बैठक में उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव, वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी, मुख्य सचिव श्री विकास शील, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सुबोध कुमार सिंह, लोक निर्माण विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह, छत्तीसगढ़ राजधानी क्षेत्र विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अंकित आनंद, नगरीय प्रशासन विभाग के सचिव डॉ. बसवराजु एस., एनआरडीए के सीईओ श्री चंदन कुमार सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

बघेल का दलीय लोकतंत्र पर ज्ञान देना नौ सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली जैसा...

रायपुर/ संवाददाता

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा भाजपा के आंतरिक लोकतंत्र पर दिए गए अनर्गल बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे हास्यास्पद और दिवालिया सोच करार दिया है। अखिलेश सोनी ने कहा कि जिस पार्टी का इतिहास ही तानाशाही और एक परिवार की गुलामी का रहा हो, उसके नेता को विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक दल पर उंगली उठाने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। भाजपा ?प्रदेश महामंत्री सोनी ने कहा कि भाजपा वह संगठन है जहाँ एक चायवाले का बेटा प्रधानमंत्री और एक बूथ का कार्यकर्ता अपनी योग्यता से मुख्यमंत्री के पद तक पहुँचता है। इसके विपरीत, कांग्रेस में प्रतिभा की नहीं, बल्कि '10 जनपथ' की परिक्रमा करने वालों की पूछ-परख होती है। क्या बघेल बताएंगे कि कांग्रेस में राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव कितनी पारदर्शिता से होता है? मौजूदा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की नियति तो यह है कि पार्टी से जुड़े मुद्दों को कांग्रेस आलाकमान पर छोड़ने के लिए विवश हैं! संसद में खुद खड़गे यह कह चुके हैं कि आज वह जो कुछ हैं, सोनिया गांधी की कृपा से हैं। श्री सोनी ने कहा कि डिक्टेटरशिप क्या होती है, यह छत्तीसगढ़ की जनता ने पिछले पाँच वर्षों में बघेल सरकार के दौरान देखा है। अपने ही मंत्रियों की बात न सुनना, विरोध करने वाले कार्यकर्ताओं को हाशिए

पर धकेलना और प्रशासन का दुरुपयोग कर विपक्ष की आवाज दबाना— यह बघेल की कार्यशैली रही है। आज सत्ता से बाहर होकर लोकतंत्र पर ज्ञान बाँटकर बघेल राजनीतिक पाखण्ड का प्रदर्शन कर रहे हैं। बघेल अब 'सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली' की कहावत को चरितार्थ कर रहे हैं। भाजपा प्रदेश महामंत्री सोनी ने तंज कसते हुए कहा कि बघेल को भाजपा की चिंता छोड़कर अपनी पार्टी के भीतर मची सिर-फुटौवल पर ध्यान देना चाहिए। कांग्रेस में आज जो भगदड़ मची है और बड़े नेता पार्टी छोड़ रहे हैं, वह बघेल और उनकी मंडली की तानाशाही का ही परिणाम है।? छत्तीसगढ़ की जनता ने विधानसभा चुनाव में बघेल की 'डिक्टेटरशिप' को नकार कर भाजपा के 'सुशासन' और 'लोकतांत्रिक मूल्यों' पर मुहर लगा दी है। अखिलेश सोनी ने कहा कि हार की हताशा में वे इस तरह के अनर्गल प्रलाप कर रहे हैं ताकि मीडिया में बने रहें। भाजपा एक कैडर आधारित अनुशासित पार्टी है, जहाँ सामूहिक निर्णय लिए जाते हैं, न कि किसी एक परिवार के दरबार में हाजिरी लगाई जाती है।

पोल निर्माण कार्य से आत्मनिर्भर बनीं सेमरिहा की फूलमती सिंह...

- अपने इस व्यवसाय के माध्यम से फूलमती सिंह को प्रतिवर्ष लगभग 1 लाख 20 हजार रुपये की आय प्राप्त हो रही
- मेहनत और आत्मविश्वास से बदली तकदीर

रायपुर/ संवाददाता

महिलाओं को सही मार्गदर्शन और अवसर मिले तो वे अपनी तकदीर स्वयं लिख सकती हैं। एम सी बी जिला के ग्राम सेमरिहा निवासी श्रीमती फूलमती सिंह ने अपनी मेहनत, लगन और आत्मविश्वास के बल पर जीवन की दिशा बदलते हुए आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश की है। साधारण पारिवारिक पृष्ठभूमि से आने वाली फूलमती सिंह आज अपने गांव की महिलाओं के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं, उन्होंने यह सिद्ध कर दिखाया है फूलमती सिंह प्रार्थना महिला स्व-सहायता समूह की सक्रिय सदस्य हैं। समूह से जुड़ने के बाद उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव आया। समूह के माध्यम से उन्हें नियमित बचत, बैंकिंग और स्वरोजगार से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई। इसी क्रम में उन्हें लखपति दीदी योजना के अंतर्गत 50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता मिली, जिससे उन्हें अपना स्वयं का व्यवसाय शुरू करने का अवसर प्राप्त हुआ। प्राप्त आर्थिक सहायता का सदुपयोग करते हुए फूलमती सिंह ने सीमेंट कंक्रीट पोल (खंभा) निर्माण का कार्य प्रारंभ किया। उन्होंने पूरी मेहनत और लगन के साथ इस कार्य को आगे बढ़ाया। धीरे-धीरे उनके कार्य की पहचान बढ़ने लगी और आज यह उनके परिवार की आय का एक महत्वपूर्ण साधन बन चुका है। अपने इस व्यवसाय के माध्यम से फूलमती सिंह को प्रतिवर्ष लगभग 1 लाख 20 हजार रुपये की आय प्राप्त हो रही है। इससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है और अब वे अपने परिवार की जरूरतों को बेहतर ढंग से पूरा कर पा रही हैं। फूलमती सिंह की यह सफलता की कहानी आज गांव की अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई है। उनकी मेहनत और आत्मनिर्भरता को देखकर गांव की कई महिलाएं भी स्व-सहायता समूह से जुड़कर स्वरोजगार अपनाने और आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं।

रसोई गैस के दाम बढ़ाये जाने के विरोध में कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

रायपुर/ संवाददाता

रसोई गैस के दाम बढ़ाए जाने का विरोध में जिला कांग्रेस रायपुर के नेतृत्व में घड़ी चौक पर प्रदर्शन किया गया। कांग्रेसी नेताओं ने खाली सिलेंडर उठाकर केंद्र सरकार एवं प्रदेश की भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारे लगाए। रसोई गैस के दाम बढ़ाने को आम जनता के साथ अन्याय बताया। रायपुर के घड़ी चौक पर जिला कांग्रेस के कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए प्रदर्शन के दौरान सड़क पर यातायात जाम हो गया। कांग्रेस के इस प्रदर्शन को आम लोगों का भी समर्थन मिला। प्रदर्शन के दौरान सड़क से गुजर रहे लोग कहने लगे कि सरकार ने रसोई गैस के दाम बढ़ाकर मध्यमवर्गीय लोगों को झटका दिया

है। पहले ही महंगाई से आम आदमी की कमर टूट चुकी है, अब रसोई गैस के दाम भी ऐसे ही बढ़ते रहे तो मध्यम परिवार का जीना मुश्किल हो जाएगा। लोगों का यह भी कहना था कि रसोई गैस की कीमतों में बढ़ोतरी सीधे तौर पर आम आदमी की जेब और छत्तीसगढ़ के मध्यमवर्गीय परिवारों के बजट को प्रभावित करती है। इस प्रदर्शन के जरिए कांग्रेस ने शहरी और ग्रामीण मतदाताओं के बीच महंगाई को एक प्रमुख मुद्दा बनाने की कोशिश की है। विरोध प्रदर्शन में कांग्रेसी नेताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार महंगाई पर लगाम लगाने में पूरी तरह विफल रही है। प्रदर्शनकारियों ने प्रतीकात्मक रूप से खाली सिलेंडर को सड़क पर रखकर यह दर्शाया कि अब आम आदमी के लिए गैस भरवाना मुश्किल हो गया है। इस विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीकुमार मेनन ने किया। उनके साथ पूर्व विधायक कुलदीप जुनेजा और नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी समेत भारी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। नेताओं ने चेताया कि यदि कीमतें जल्द कम नहीं की गईं, तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा।

जिला प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाने की गई कार्रवाई की गई

रायपुर। दुर्ग जिले के जनपद पंचायत दुर्ग के अतंर्गत ग्राम समोदा में जिला प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाने की बड़ी कार्रवाई की गई है। जेसीबी चला कर शासकीय भूमि को अवैध कब्जों से मुक्त कराई गई है। कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह के निर्देश पर अतिरिक्त तहसीलदार श्रीमती क्षमा यदु द्वारा राजस्व अमले और पुलिस विभाग के सहयोग से ग्राम समोदा राजस्व निरीक्षक मंडल जेवरा सिरसा तहसील व जिला दुर्ग के अतंर्गत शासकीय घास भूमि खसरा नम्बर 778 रकबा 0.13 हेक्टेयर भूमि पर किये गये अवैध पक्का दुकान निर्माण, टीन सेड लगाकर दुकान निर्माण को अवैध कब्जे से मुक्त कराया गया है।

छत्तीसगढ़ में अब एक नई फसल अपनी पहचान बना रही

मध्यप्रदेश के किसानों का ग्राम लिंगाडीह आरंग में मखाना खेती भ्रमण

रायपुर/ संवाददाता

धान के कटोरे कहे जाने वाले छत्तीसगढ़ में अब एक नई फसल अपनी पहचान बना रही है - सुपर फूड मखाना, जिसे काला हीरा भी कहा जाता है। स्वास्थ्यवर्धक गुणों से भरपूर मखाने की खेती अब राज्य में आधुनिक तकनीक और नवाचार के साथ हो रही है। मखाना उत्पादन पर एक दिवसीय प्रशिक्षण एवं भ्रमण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम के अध्यक्ष श्री चंद्रहास चंद्राकर एवं अध्यक्ष जनपद सदस्य आरंग, श्री रिंकू चंद्राकर ने की. मध्य प्रदेश के किसानो सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि श्री चंद्रहास चंद्राकर ने कहा की केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार छत्तीसगढ़ के किसानों के आर्थिक उन्नति के लिए विशेष रूप से कार्य कर रही है केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान जी के प्रयासों से छत्तीसगढ़ मखाना बोर्ड सेन्ट्रल सेक्टर स्कीम में शामिल हुआ है इसके लिए हम उनका आभार व्यक्त करते हैं.हमारे

मुख्य मंत्री श्री विष्णु देव साय कृषि मंत्री श्री राम विचार नेताम जी के द्वारा मखाना उत्पादन को बढ़ावा देने विशेष प्रयास किया जा रहा है श्री चंद्राकर ने कहा की छत्तीसगढ़ में सर्वप्रथम व्यवसायिक उत्पादन आरंग ब्लॉक के ग्राम लिंगाडीह के किसान स्व. श्री कृष्ण कुमार चंद्राकर द्वारा प्रारंभ किया गया था। राज्य का प्रथम मखाना प्रसंस्करण केंद्र का उद्घाटन 5 दिसंबर 2021 को ग्राम लिंगाडीह में तत्कालीन मुख्यमंत्री द्वारा किया गया। अब मखाना उत्पादन में प्रदेश में आरंग का नाम अपनी अलग पहचान बना चुका है. कार्यक्रम के अध्यक्ष जनपद सदस्य श्री रिंकू चंद्राकर ने कहा किया हमारे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है कि छत्तीसगढ़ प्रदेश का प्रथम मखाना उत्पादन एवं संस्करण केंद्र हमारे क्षेत्र ग्राम लिंगाडीह में स्थापित हुआ है.छटेरा, निसदा एवं अन्य गांव में भी इसके विस्तार हेतु प्रयास किया जा रहे हैं हमारे इस केंद्र में न केवल हमारे प्रदेश के बल्कि अन्य प्रदेश के लोग भी यहां मखाना की खेती सीखने आ रहे हैं जो हमारे प्रदेश के लिए गर्व की बात है. मध्य प्रदेश के उमरिया जिला से 50 किसानों का एक भ्रमण दल कृषि विभाग के द्वारा मखाना की खेती के भ्रमण हेतु रायपुर जिला के आरंग ब्लॉक स्थित ओजस फॉर्म का भ्रमण किया। इस दौरान किसानों ने मखाना की खेती के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की और अपने अनुभव साझा किए। राष्ट्रीय मखाना महोत्सव 2024 एवं 2025 में सम्मानित मखाना उत्पादक किसान एवं ओजस फार्म दाऊजी मखाना के प्रबंधक श्री संजय नामदेव ने मखाना की खेती के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि प्रति एकड़ में 20 किलो बीज की आवश्यकता होती है और उत्पादन लगभग 10 क्विंटल के आसपास प्राप्त होता है। उन्होंने बताया कि 6 माह की अवधि वाले फसल में किसी भी प्रकार का कीट व्याधि का प्रकोप नहीं होता है और न ही किसी प्रकार की चरी और चोरी की समस्या रहती है। इंदिरा गाँधी कृषि विश्व विद्यालय के सब्जी विज्ञान के पी एच डी छात्र डॉ योगेंद्र चंदेल ने किसानों को मखाना की खेती के लिए आवश्यक तकनीक और संसाधनों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मखाना की खेती तालाब एवं खेत दोनों विधि से की जाती है अधिकतम उत्पादन के लिए धान की तरह खेत की मताई 1 मीटर की दुरी पर 55 दिन के नर्सरी की 4000 पौधो की रोपाई एक मीटर पौधा से पौधा एवं कतार से कतार की दुरी पर रोपाई समय समय पर नींदाई खाद प्रबंधन वैज्ञानिक तरीके से करने पर अधिकतम उत्पादन मिलता है।

संपादकीय

ईरान-इजरायल युद्ध के बीच खाने का संकट हो सकता है पैदा

ईरान-इजरायल युद्ध के चलते पश्चिम एशिया के हालात की वजह से तेल और गैस आपूर्ति पर असर पड़ रहा है। इसका नतीजा मार्केट पर दिखने लगा है। लेकिन, इसके बीच एक और संकट गहरा रहा है - उर्वरक आपूर्ति में कमी। अगर यह बाधा लंबे समय तक जारी रहती है तो दुनिया को खाद्य असुरक्षा और महंगाई का सामना करना पड़ सकता है। होर्मुज इफेक्ट- पश्चिम एशिया दुनिया का एक बड़ा उर्वरक उत्पादक क्षेत्र है। वैश्विक यूरिया निर्यात का लगभग 35 प्रतिशत होर्मुज स्ट्रेट से होकर गुजरता है। इसी रास्ते से दुनिया का 45 प्रतिशत सल्फर भी ट्रांसपोर्ट होता है। यूरिया सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाला फर्टिलाइजर है, जिसकी वजह से दुनिया का करीब आधा अनाज पैदा होता है। होर्मुज पर ईरान की पहरेदारी के चलते शिपमेंट का आना-जाना बंद है और हर बीतते दिन के साथ सप्लाई चेन टूट रही है। स्थिति ज्यादा गंभीर- करीब 4 साल पहले, जब यूक्रेन और रूस युद्ध शुरू हुआ था, तब भी इसी तरह की सिचुएशन बनी थी। उस वक्त दो बड़े झटके लगे थे - गेहूं की आपूर्ति में कमी और फर्टिलाइजर्स की कीमतों में तेज उछाल। यूक्रेन और रूस मिलकर गेहूं का करीब 30त्न ग्लोबल एक्सपोर्ट करते हैं, जिस पर उस समय एकदम से रोक लग गई थी। हालांकि तब जल्द ही रूस से दोनों चीजों का निर्यात जारी रहा। वहीं, भारत जैसे देशों ने गेहूं निर्यात बढ़ा दिया। लेकिन, इस बार सीधे समुद्री मार्ग बाधित होने से स्थिति दूसरी है। प्रॉडक्शन रोका- ईरान ने जिस तरह से दूसरे अरब देशों में मौजूद फैसिलिटीज को निशाना बनाया है, उससे भी असर पड़ा है। समुद्र के रास्ते होने वाले यूरिया के कुल व्यापार में कतारएनर्जी की हिस्सेदारी लगभग 10 प्रतिशत है। इसके एक कॉम्प्लेक्स पर दो दिन पहले ड्रोन अटैक हुआ था, जिसके बाद कंपनी ने सल्फर, अमोनिया और यूरिया का प्रॉडक्शन रोक दिया है। ईरान और सऊदी अरब की सप्लाई भी प्रभावित हुई है।गैस में कमी। फर्टिलाइजर मार्केट शुरू से बेहद संवेदनशील रहा है। चीन जैसे मुल्क अपनी जरूरत को देखते हुए ग्लोबल सप्लाई को प्रभावित करते हैं। नैचुरल गैस भी बड़ा फैक्टर है, जिसकी जरूरत फर्टिलाइजर प्रॉडक्शन में पड़ती है और जिसमें कमी आई है।फसल पर असर- भारत ने पिछले साल अप्रैल से नवंबर के बीच रेकॉर्ड 70 लाख टन यूरिया आयात किया था। देश अपनी जरूरत का करीब 40 प्रतिशत फर्टिलाइजर पश्चिम एशिया से मंगाता है, यानी उसके लिए स्थिति ज्यादा गंभीर है। अगर किसानों को समय से उर्वरक नहीं मिले, तो असर पहली फसल के साथ ही नजर आने लगेगा। विशेषज्ञों का अनुमान है कि उत्पादन 50 प्रतिशत तक कम हो सकता है।

हम आपको बता दें कि ईरान का युद्धपोत डेना बुधवार को उस समय डूब गया जब अमेरिकी पनडुब्बी द्वारा दागा गया जल गोला उससे टकरा गया। यह घटना श्रीलंका के खोज और बचाव क्षेत्र के भीतर अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में हुई। हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा को लेकर नई चिंता उभर कर सामने आई है क्योंकि अमेरिकी पनडुब्बी ने श्रीलंका के निकट अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में एक ईरानी युद्धपोत को डुबो दिया। इस घटना ने न केवल श्रीलंका बल्कि पूरे दक्षिण एशिया और विशेष रूप से भारत की सामरिक स्थिति पर नए सवाल खड़े कर दिए हैं।

युद्ध देखते देखते भारत के दरवाजे तक पहुँच गया, दक्षिण एशियाई देशों की चिंता बढ़ी

(नीरज कुमार दुबे)

विशेषज्ञों का मानना है कि यह घटना इस बात का संकेत है कि अमेरिका और ईरान के बीच चल रहा संघर्ष अब फारस की खाड़ी से निकल कर हिंद महासागर तक पहुंच गया है, जिसके दूरगामी प्रभाव हो सकते हैं। इस मुद्दे को लेकर राजनीति भी शुरू हो गयी है जहां श्रीलंका के सांसद इस मुद्दे पर अपनी सरकार से सवाल पूछ रहे हैं वहीं भारत में लोकसभा के विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सीधा सवाल पूछा है।

हम आपको बता दें कि ईरान का युद्धपोत डेना बुधवार को उस समय डूब गया जब अमेरिकी पनडुब्बी द्वारा दागा गया जल गोला उससे टकरा गया। यह घटना श्रीलंका के खोज और बचाव क्षेत्र के भीतर अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में हुई। श्रीलंका की नौसेना को युद्धपोत से संकट संदेश प्राप्त हुआ जिसके बाद बचाव अभियान चलाया गया। श्रीलंकाई नौसेना ने अब तक 87 शव बरामद किए हैं और 32 नाविकों को सुरक्षित बचा लिया गया है। कई अन्य नाविक अभी भी लापता बताए जा रहे हैं और उनकी खोज के लिए अभियान जारी है।

हम आपको बता दें कि यह घटना श्रीलंका के प्रमुख बंदरगाह नगर गाले से लगभग चालीस किलोमीटर दक्षिण में हुई। यह स्थान फारस की खाड़ी से काफी दूर है, जहां ईरान और अमेरिका के बीच संघर्ष चल रहा है। इसलिए इस घटना ने यह संकेत दिया है कि समुद्री संघर्ष का दायरा तेजी से फैल रहा है।

वहीं कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर एक संदेश के माध्यम से कहा है कि दुनिया इस समय अत्यंत अस्थिर दौर में प्रवेश कर चुकी है और आने वाले समय में हालात और कठिन हो सकते हैं। राहुल गांधी ने कहा कि ईरान का युद्धपोत हिंद महासागर में डूबने की घटना यह दर्शाती है कि यह संघर्ष अब भारत के आसपास के समुद्री क्षेत्र तक पहुंच गया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए कहा कि ऐसे कठिन समय में देश को मजबूत और संतुलित नेतृत्व की आवश्यकता होती है, लेकिन सरकार की ओर से स्पष्ट प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। उन्होंने कहा कि भारत की सामरिक स्वायत्तता को बनाए रखना इस समय अत्यंत आवश्यक है।

दूसरी ओर, श्रीलंका के सांसद नामल राजपक्षे ने इस घटना को अत्यंत गंभीर बताते हुए कहा है कि यह केवल श्रीलंका की ही नहीं बल्कि पूरे हिंद महासागर क्षेत्र की सुरक्षा से जुड़ा मुद्दा है। उनका कहना

है कि युद्ध भले ही हजारों किलोमीटर दूर चल रहा हो, लेकिन उसके प्रभाव अब हिंद महासागर में स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगे हैं। उन्होंने कहा कि श्रीलंका के तट से लगभग चालीस किलोमीटर दूर इस प्रकार की सैन्य गतिविधि यह दर्शाती है कि वैश्विक शक्तियों का संघर्ष अब इस समुद्री क्षेत्र तक फैल रहा है।

श्रीलंकाई सांसद नामल राजपक्षे ने श्रीलंका की सरकार से यह भी सवाल किया है कि क्या उसे इस सैन्य कार्रवाई की पहले से जानकारी थी? उनका कहना है कि सरकार को देश की जनता और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने यह स्पष्ट करना चाहिए कि क्या वह इस हमले से पहले अवगत थी या नहीं? उन्होंने कहा कि यदि सरकार को पहले से जानकारी थी तो उसे यह बताना चाहिए कि ऐसी गतिविधि को लेकर कौन से कदम उठाए गए? उन्होंने यह भी कहा कि यदि श्रीलंका को इस प्रकार की सैन्य गतिविधि की सूचना नहीं दी गई थी तो यह और भी गंभीर विषय है, क्योंकि इससे छोटे देशों की समुद्री संप्रभुता और सुरक्षा पर प्रश्न खड़े होते हैं। उन्होंने कहा कि यदि किसी बड़े देश की सैन्य कार्रवाई श्रीलंका के आसपास के जल क्षेत्र में होती है तो इस पर खुली चर्चा और पारदर्शिता आवश्यक है। राजपक्षे ने दक्षिण एशियाई देशों के बीच व्यापक संवाद की भी आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि भारत, श्रीलंका, बांग्लादेश और पाकिस्तान जैसे देशों को मिलकर हिंद महासागर की सुरक्षा पर गंभीर चर्चा करनी चाहिए। उनका कहना है कि अंतरराष्ट्रीय कानून और प्रत्येक देश की संप्रभुता का सम्मान किया जाना चाहिए। यदि बड़े देशों के बीच संघर्ष छोटे देशों के आसपास के समुद्री क्षेत्रों में फैलता है तो इससे पूरे क्षेत्र की स्थिरता प्रभावित हो सकती है। दूसरी ओर अमरीकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने इस हमले की पुष्टि करते हुए कहा है कि अमेरिकी पनडुब्बी ने अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में मौजूद एक ईरानी युद्धपोत को निशाना बनाया। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई ईरान की सैन्य क्षमता को कमजोर करने के व्यापक अभियान का हिस्सा है। अमेरिकी प्रशासन का कहना है कि ईरान की नौसैनिक शक्ति को सीमित करना उसकी रणनीति का महत्वपूर्ण भाग है। देखा जाये तो हिंद महासागर में इस प्रकार की सैन्य कार्रवाई के कई महत्वपूर्ण सामरिक निहितार्थ हैं क्योंकि यह क्षेत्र विश्व के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में से एक है। एशिया, अफ्रीका और पश्चिम एशिया के बीच होने वाला विशाल व्यापार इसी समुद्री मार्ग से गुजरता है। यदि यहां सैन्य तनाव बढ़ता है तो वैश्विक व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति पर सीधा प्रभाव पड़ सकता है। साथ ही भारत के लिए यह स्थिति अत्यंत संवेदनशील है। हिंद महासागर भारत की समुद्री सुरक्षा और आर्थिक हितों का मुख्य क्षेत्र है। यदि बाहरी शक्तियों का संघर्ष इस क्षेत्र में बढ़ता है तो भारत को अपनी नौसैनिक उपस्थिति और सामरिक सतर्कता बढ़ानी पड़ सकती है। इसके अलावा, छोटे तटीय देशों जैसे श्रीलंका, मालदीव और बांग्लादेश के लिए यह चुनौतीपूर्ण स्थिति है। ये देश बड़ी शक्तियों के बीच संतुलन बनाए रखने की कोशिश करते हैं, लेकिन यदि सैन्य टकराव उनके आसपास होने लगे तो उनकी सुरक्षा और कूटनीतिक स्थिति कठिन हो सकती है। साथ ही इस घटना से यह भी संकेत मिलता है कि भविष्य के युद्ध केवल सीमित क्षेत्रों तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि समुद्र के विशाल क्षेत्रों में फैल सकते हैं। इससे हिंद महासागर आने वाले समय में वैश्विक शक्ति संतुलन का महत्वपूर्ण केंद्र बन सकता है। बहरहाल, श्रीलंका के निकट हुई यह घटना इस बात का संकेत है कि पश्चिम एशिया का संघर्ष अब व्यापक समुद्री क्षेत्र तक फैल सकता है। ऐसे में दक्षिण एशियाई देशों के लिए आवश्यक है कि वह मिलकर क्षेत्रीय सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करें और संभावित संकटों के लिए तैयार रहें।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

ममता की जिद के कारण अंधियारे की तरफ पश्चिम बंगाल

(योगेंद्र योगी)

ममता सरकार की जिद से केंद्र सरकार से मिलने वाले 10 हजार करोड़ रुपए डूब गए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने पर यह राशि केंद्र सरकार से मिलने थी। ममता बनर्जी सरकार ने पश्चिम बंगाल में राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू नहीं की। ममता सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को अहंकार का मुद्दा बना लिया है।

बंगाल में 19वीं सदी के दौरान शिक्षा के केंद्र के रूप में बंगाली पुनर्जागरण ने साहित्यिक और बौद्धिक चेतना का विकास किया, जिससे पश्चिमी शिक्षा का आगमन हुआ। पश्चिम बंगाल ऐतिहासिक रूप से भारत का एक प्रमुख शैक्षणिक और बौद्धिक केंद्र रहा है, जो बंगाली पुनर्जागरण से लेकर आधुनिक काल तक ज्ञान का गढ़ बना रहा है। कोलकाता (तत्कालीन कलकत्ता) ने आधुनिक शिक्षा प्रणाली की शुरुआत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसमें 1857 में स्थापित कलकत्ता विश्वविद्यालय, विश्व-भारती, और आईआईटी खड़गपुर जैसे प्रतिष्ठित संस्थान शामिल हैं। ऐतिहासिक दौर में शिक्षा की कीर्ति पताका फहराने वाले पश्चिम बंगाल की आज हालत यह हो गई है कि 4 हजार स्कूल राम भरोसे हैं। पश्चिम बंगाल की शिक्षा व्यवस्था वेंटिलेटर पर है।

ममता सरकार की जिद से केंद्र सरकार से मिलने वाले 10 हजार करोड़ रुपए डूब गए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने पर यह राशि केंद्र सरकार से मिलने थी। ममता बनर्जी सरकार ने पश्चिम बंगाल में राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू नहीं की। ममता सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को अहंकार का मुद्दा बना लिया है। केंद्र सरकार के बार-बार अनुरोध करने के बावजूद बंगाल सरकार ने शिक्षा नीति लागू नहीं की नतीजा यह हुआ कि समग्र शिक्षा मिशन के तहत मिलने वाली 10,000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त केंद्रीय निधि राज्य को नहीं मिल पाई। पूरे देश में जितने भी स्कूल बिना शिक्षकों के चल रहे हैं, उनमें से 50त्न अकेले पश्चिम बंगाल में हैं। अर्थात बाकी पूरा देश एक तरफ और ममता का बंगाल एक तरफ।

कैसा खिलवाड़ हो रहा है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने तीखा हमला बोलते हुए कहा कि नई शिक्षा नीति मातृभाषा (बंगाली) में पढ़ाई की बात करती है, लेकिन ममता सरकार इसे लागू नहीं करना चाहती। क्या राज्य सरकार बंगाली में शिक्षा की अनुमति नहीं देना चाहती? केंद्रीय मंत्री ने साफ कर दिया कि अगर 2026 के विधानसभा चुनावों के बाद भाजपा सत्ता में आती है, तो शिक्षा क्षेत्र उनका 'प्राइम फोकस' होगा। उन्होंने बंगाल की जनता को संदेश दिया कि वर्तमान सरकार ने शिक्षा को बर्बाद कर दिया है और अब बदलाव ही एकमात्र रास्ता है।

इतना ही नहीं पश्चिम बंगाल सरकार ने जादवपुर विश्वविद्यालय के लिए केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित अतिरिक्त निधि को स्वीकार करने से इनकार कर दिया। जहां पूरा देश डिजिटल हो रहा है, वहां बंगाल के स्कूल पाषाण युग में जी रहे हैं। राष्ट्रीय स्तर पर स्कूलों में इंटरनेट की पहुंच 70 प्रतिशत है, लेकिन पश्चिम बंगाल के सरकारी स्कूलों में यह आंकड़ा गिरकर महज 16 प्रतिशत रह गया है। जून 2025 में, केंद्र सरकार ने मध्याह्न भोजन योजनाओं का लाभ उठाने वाले छात्रों की संख्या में आई तीव्र गिरावट पर चिंता व्यक्त की। केंद्र सरकार के स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग ने भी इस मामले में पश्चिम बंगाल सरकार से रिपोर्ट मांगी थी, जिसमें इसे राज्य में स्कूल छोड़ने वालों की संख्या में वृद्धि का मुख्य कारण बताया गया था। देश में कर्ज के बोझ तले दबे सबसे बड़े राज्यों में पश्चिम बंगाल टॉप पर है। बंगाल को अपने राजस्व का 42 फीसदी हिस्सा सिर्फ ब्याज के भुगतान में खर्च करना पड़ा है। वित्त वर्ष 2025 में पश्चिम बंगाल पर ब्याज भुगतान का बोझ अन्य राज्यों की तुलना में सबसे ज्यादा था। राज्य को टैक्स और नॉन टैक्स रेवेन्यू से 1.09 लाख करोड़ रुपए मिले थे, लेकिन सिर्फ ब्याज भुगतान पर 45 हजार करोड़ से अधिक खर्च किए गए। इसका मतलब हुआ कि उसके राजस्व का 42 फीसदी हिस्सा तो ब्याज चुकाने में ही चला गया। पश्चिम बंगाल की आर्थिक सेहत खराब होने के साथ जिद के चलते शिक्षा की व्यवस्था भी लड़खड़ा रही है। हो सकता है विधानसभा चुनाव ममता की तृणमूल कांग्रेस जीत जाए किन्तु ममता बनर्जी की जिद के कारण इससे विकास की गति को रफ्तार नहीं मिल सकेगी।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

सरस्वती सिंधु सभ्यता- भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है राखीगढ़ी का पुरास्थल

(शुभम केवलिया)

राखीगढ़ी की महत्वता इस वैज्ञानिक तथ्य में भी निहित है कि यहां मौजूद सरस्वती सिंधु सभ्यता के कंकालों के डीएनए अध्ययन से यह ज्ञात हुआ है कि इन कंकालों में कोई मध्य एशियाई जीन मौजूद नहीं था। इस प्रकार जिन विद्वानों का यह मत था कि संभवतः सरस्वती सिंधु सभ्यता के लोग बाहरी थे इस पर पूर्ण विराम लग गया है तथा यह सभ्यता पूर्णतः स्वदेशी सभ्यता थी। भारत के प्राचीन इतिहास के प्रति वर्तमान सरकार का झुकाव कोई अचंभित करने वाला विषय नहीं है। इसी कड़ी में आगामी वित्त वर्ष का बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री महोदया ने 15 पुरातात्विक स्थलों को उत्खनित व विकसित करने हेतु विशेष राशि आवंटित की है।

इन पुरास्थलों में राखीगढ़ी, लोथल, धोलावीरा, आदिचिन्नलूर आदि प्रमुख हैं।

इन सभी पुरास्थलों में से एक राखीगढ़ी के लिए विशेष तौर पर 500 करोड़ की राशि आवंटित की गई है । राखीगढ़ी की ऐसी क्या महत्वता है जो सरकार का झुकाव इस ओर अधिक है । राखीगढ़ी हरियाणा के हांसी जिले में अवस्थित है। भारत की प्राचीनतम सरस्वती सिंधु सभ्यता का यह पुरास्थल ऋग्वेद में वर्णित दृष्दवति नदी के किनारे पर स्थित था। इस पुरास्थल की 1997 से भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग द्वारा समय समय पर खुदाई की गई है।

सरस्वती सिंधु सभ्यता का सबसे बड़ा नगर हाल ही में हुए सघन पुरातात्विक सर्वेक्षण से यह ज्ञात हुआ है की राखीगढ़ी नगर का कुल क्षेत्रफल 350 हेक्टेयर से अधिक था। यह विस्तार राखीगढ़ी को सरस्वती सिंधु सभ्यता का सबसे बड़ा नगर होना सिद्ध करता है। यहां यह बात भी उल्लेखनीय है कि राखीगढ़ी से कुछ दूरी पर ही सरस्वती नदी व दृष्दवति नदी ता संगम अवस्थित था। यही कारण है की सभ्यता का सबसे बड़ा नगर यहां स्थित था ।

राखीगढ़ी का पुरास्थल कुल 11 टीलों में विभाजित है। यहां हुए पुरातात्विक उत्खननों के फलस्वरूप सरस्वती सिंधु सभ्यता के प्रारंभिक व विकसित काल के पुरावशेष प्रकाश में आए हैं। यहां से प्राप्त वैज्ञानिक तिथियों के अनुसार वर्तमान समय ले 8000 वर्ष पूर्व से लेकर 4000 वर्ष पूर्व तक यहां मानव बसाहट विद्यमान थी । सरस्वती सिंधु सभ्यता के परवर्ती काल के पुरावशेष हमें राखीगढ़ी से प्राप्त नहीं होते ।

राखीगढ़ी से मिलने वाले पुरावशेष भारतीय इतिहास में रचे गए आर्य आगमन के कुचक्र को धराशायी करने में सहायक सिद्ध होते हैं। यहां हुए पुरातात्विक उत्खनन में उत्खननकर्ता डॉ अमरेन्द्र नाथ को विभिन्न आकार कि यज्ञवेदियां प्राप्त हुई थी। यह यज्ञोवेदियां योनी व चित्ती आकार कि हैं जो सरस्वती सिंधु सभ्यता के विकसित काल के दौरान की हैं । यह इस बात की द्योतक हैं कि राखीगढ़ी में रहने वाले लोग वर्तमान समय से 4500 वर्ष पूर्व वैदिक

परंपराओं का अनुसरण करते थे।

यहां इस तथ्य का उल्लेख भी आवश्यक है कि ऋग्वेद में दृष्दवती नदी के किनारे रहने व यज्ञ संपादित करने की उल्लेख आता है । इस प्रकार राखीगढ़ी के उपरोक्त पुरातात्विक साक्ष्य ऋग्वेद के विवरणों से साम्यता रखते हैं । इस आधार पर वैदिक जनों का 1500 ईसा पूर्व बाहर से आने के मत पर भी प्रश्नचिन्ह खड़े होते हैं ।

राखीगढ़ी की महत्वता इस वैज्ञानिक तथ्य में भी निहित है कि यहां मौजूद सरस्वती सिंधु सभ्यता के कंकालों के डीएनए अध्ययन से यह ज्ञात हुआ है कि इन कंकालों में कोई मध्य एशियाई जीन मौजूद नहीं था । इस प्रकार जिन विद्वानों का यह मत था कि संभवतः सरस्वती सिंधु सभ्यता के लोग बाहरी थे इस पर पूर्ण विराम लग गया है तथा यह सभ्यता पूर्णतः स्वदेशी सभ्यता थी ।

आर्य आगमन के मिथक को सिद्ध करने के लिए सरस्वती सिंधु सभ्यता में घोड़े की अनुपस्थिति का मुद्दा उठाया जाता है। परन्तु राखीगढ़ी में हुए पुरातात्विक उत्खनन से घोड़े की मृण्मूर्ति प्रकाश में आई है। उत्खननकर्ता डॉ अमरेन्द्र नाथ ने अपने शोध पत्र में इस विषय का उल्लेख किया है । यह इस बात की द्योतक है कि इस सभ्यता में घोड़ा पहले से ही विद्यमान था ।

राखीगढ़ी उत्खनन राखीगढ़ी उत्खनन से विभिन्न अर्ध कीमती पत्थर जैसे कार्नेलियन, अगेट, जैस्पर, लाजवर्द आदि के मनके प्राप्त होते हैं । यह पत्थर गुजरात व अफगानिस्तान से यहां लाए जाते थे। यह पुरावशेष इस बात को प्रमाणित करते हैं की यहां रहने वाले लोग दूरस्थ इलाकों तक व्यापार करते रहे होंगे।

राखीगढ़ी में इन अर्ध कीमती पत्थरों का उपयोग कर मनके व आभूषण भी बनाए जाते थे । यहां ये तांबे की छेनियां भी प्राप्त हुई हैं, गौरतलब है कि तांबे की खदाने राखीगढ़ी के आसपास विद्यमान नहीं हैं। वर्ष 2023-24 में डॉ संजय मंजुल के नेतृत्व में हुए पुरातात्विक उत्खनन में राखीगढ़ी में एक स्टेडियम के होने के साक्ष्य भी प्राप्त हुए हैं । सरस्वती सिंधु सभ्यता में इसके पूर्व केवल गुजरात स्थित धोलावीरा से ही स्टेडियम के प्रमाण मिले हैं ।

जहां तक विषय है कि राखीगढ़ी वर्तमान समय से 4000 वर्ष पूर्व वीरान क्यों हो गया तो उसका उत्तर दृष्दवती नदी के सूखने व वर्षा में होने वाली कमी मे निहित है। जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया व के.एस. वल्दिया जैसे वैज्ञानिकों की रिपोर्ट्स में इन प्राकृतिक बदलावों का पर्याप्त उल्लेख विद्यमान है ।

वर्तमान समय में भी राखीगढ़ी में उत्खनन जारी है। यह उत्खनन टीला क्रमांक1,2 व 3 पर किया जा रहा है, यह उत्खनन अगले 3 वर्षों तक होना है । टीला संख्या 3 में पूर्व उत्खनित स्थल को शेड लगा आम जनता के लिए खोला गया है। सरकार का भी यही विचार है की आगामी समय में यहां के सभी उत्खनित टीलों को शेड लगाकर आम जनता के लिए देखने हेतु खुला ही रखा जाए जिससे वे अपने गौरवशाली अतीत व राखीगढ़ी के प्राचीन नगर को अपनी आंखों से देख सकें। इस प्रकार राखीगढ़ी की महत्वता को देखते हुए सरकार का उसपर विशिष्ट ध्यान न्यायसंगत है।यह लेखक के निजी विचार हैं।

सुशासन एक्सप्रेस से 952 ग्रामीणों के बने आधार कार्ड, अब गांव में ही मिल रही सभी प्रकार की दस्तावेज बनाने की सुविधा

सुशासन एक्सप्रेस से बदल रही है ग्रामीणों की जिंदगी

नारायणपुर। जिले में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और कलेक्टर नम्रता जैन की पहल से संचालित सुशासन एक्सप्रेस ग्रामीणों के लिए बड़ी राहत बनकर सामने आई है। इस पहल के तहत प्रशासनिक टीम सीधे दूरस्थ गाँवों में पहुंचकर लोगों के आवश्यक दस्तावेज और प्रमाण पत्र मौके पर ही उपलब्ध कराई जा रही है। सुशासन एक्सप्रेस के माध्यम से ग्रामीणों को अब आधार कार्ड, राशन कार्ड, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, आयुष्मान कार्ड सहित कुल 22 प्रकार की शासकीय योजनाओं से जुड़े प्रमाण पत्र उनके ही गाँव में उपलब्ध कराए जा रहे हैं। पहले इन सेवाओं के लिए ग्रामीणों को जिला मुख्यालय या जनपद कार्यालय के कई चक्कर लगाने पड़ते थे, लेकिन अब प्रशासन की इस पहल से लोगों को उनके घर के पास ही सुविधाएं मिल रही हैं।

कलेक्टर नम्रता जैन का लक्ष्य है कि जिले का कोई भी व्यक्ति आधार कार्ड और अन्य आवश्यक दस्तावेजों से वंचित न रहे तथा सभी पात्र नागरिकों को शासन की योजनाओं का लाभ मिल सके। इसी उद्देश्य से सुशासन एक्सप्रेस लगातार जिले के दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंच रही है। 1 जनवरी से प्रारंभ हुई सुशासन एक्सप्रेस के माध्यम से अब तक 952 आधार कार्ड बनाए जा चुके हैं और यह संख्या लगातार बढ़ रही है। कोई भी व्यक्ति आधार कार्ड से वंचित न रहे, इसके लिए गांव-गांव में सुशासन एक्सप्रेस शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

वर्तमान में यह शिविर ओरछा विकासखंड के दूरस्थ क्षेत्रों में लगाए जा रहे हैं। आगामी समय में नारायणपुर विकासखंड के अन्य गांवों में भी शिविरों का आयोजन किया जाएगा। ग्रामीणों का कहना है कि सुशासन एक्सप्रेस के कारण अब उन्हें सरकारी दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ते और जरूरी दस्तावेज आसानी से मिल रहे हैं। इससे प्रशासन के प्रति लोगों का भरोसा भी और मजबूत हुआ है।

बस्तर के महतारी वंदन सम्मेलन और संपूर्णता अभियान आयोजन में स्वास्थ्य और सशक्तिकरण पर केंद्रित रही गतिविधियां

जगदलपुर। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर और महतारी वंदन योजना के सफल दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में बस्तर जिले के नगर पंचायत बस्तर मिनी स्टेडियम में वृहद महतारी वंदन सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस गरिमामय कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं की भागीदारी रही, जहाँ शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन और महिला सशक्तिकरण के संकल्प को दोहराया गया। कार्यक्रम के दौरान नीति आयोग के मार्गदर्शन में संचालित संपूर्णता अभियान को गति देते हुए एक व्यापक हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया, जिसमें उपस्थित जनसमूह और अधिकारियों ने अभियान की सफलता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जाहिर करते हुए जागरूकता हेतु सामूहिक शपथ ली। जिले में स्वास्थ्य और पोषण के स्तर को सुधारने के लिए विभाग द्वारा व्यापक स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं, जिसके तहत बस्तर जिले के लगभग 2000 आंगनबाड़ी केंद्रों में ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण दिवस का आयोजन किया गया। इस पहल के माध्यम से बच्चों के स्वास्थ्य की गहन जांच, आवश्यक टीकाकरण तथा गर्भवती व शिशुवती माताओं के स्वास्थ्य परीक्षण जैसे महत्वपूर्ण कार्य किए जा रहे हैं। साथ ही किशोरी बालिकाओं के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए उन्हें शत-प्रतिशत फोलिक एसिड की गोलियों का वितरण सुनिश्चित किया जा रहा है ताकि भविष्य की पीढ़ी को एनीमिया मुक्त बनाया जा सके। विशेष रूप से आकांक्षी ब्लॉक तोकापाल में संपूर्णता अभियान के लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु विशेष कार्ययोजना पर बल दिया गया है। इसके अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को शत-प्रतिशत रेडी टू ईट और गरम भोजन उपलब्ध कराने के साथ-साथ बच्चों का नियमित वजन लेने और सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में स्वच्छ पेयजल व शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखा गया है। इन समन्वित प्रयासों का उद्देश्य जिले के हर पात्र व्यक्ति तक स्वास्थ्य और पोषण की सेवाओं को प्रभावी ढंग से पहुँचाकर संपूर्णता अभियान को सफल बनाना है।

सावित्रीबाई फुले की 129वीं पुण्यतिथि पर बाबा साहेब सेवा संस्था ने दी श्रद्धांजलि

कोण्डागांव। कोट चौक स्थित बाबा साहेब सेवा संस्था कार्यालय में देश की प्रथम महिला शिक्षिका माता सावित्रीबाई फुले की 129वीं पुण्यतिथि पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर संस्था के सदस्यों ने उनके छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित कर पुष्प अर्पित किए तथा उनके समाज सुधार और शिक्षा के क्षेत्र में दिए गए योगदान को याद किया।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि सावित्रीबाई फुले ने उस दौर में महिलाओं और वंचित वर्गों के लिए शिक्षा के द्वार खोले, जब समाज में अनेक रूढ़िवादी मान्यताएं प्रचलित थीं। वर्ष 1848 में पुणे के भिड़ेवाड़ा में देश का पहला बालिका विद्यालय शुरू कर उन्होंने स्त्री शिक्षा की मजबूत नींव रखी। साथ ही उन्होंने विधवा विवाह का समर्थन किया, छुआछूत के खिलाफ आवाज उठाई और 'बालहत्या प्रतिबंधक गृह' की स्थापना कर समाज सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किए। कार्यक्रम में यह भी बताया गया कि महात्मा ज्योतिराव फुले के निधन के बाद सावित्रीबाई फुले ने सत्यशोधक समाज के कार्यों को आगे बढ़ाया और समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास किए। वर्ष 1897 में प्लेग महामारी के दौरान मरीजों की सेवा करते हुए उन्होंने अपने प्राणों की आहुति दे दी, जो उनके निस्वार्थ सेवा भाव का उदाहरण है। संस्था के सदस्यों ने कहा कि सावित्रीबाई फुले के विचार आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। शिक्षा और सामाजिक समानता के लिए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया गया।इस अवसर पर संस्था के संरक्षक पंचू सागर, प्रमोद भारती, शुद्धराम मरकाम, रितेश पटेल, अध्यक्ष भुवनलाल मार्कंडेय, ओमप्रकाश नाग, वीरेन्द्र कुमार नेताम, पंचम पांडे, पूर्व अध्यक्ष मुकेश मार्कंडेय, देवानंद चौरे, तथ्यशील चौरे, सिद्धार्थ महाजन, सानू मार्कंडेय, विशाल बंजारे सहित संस्था के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

वन कर्मचारियों ने अनावश्यक दबाव का लगाया आरोप, समस्याओं के समाधान की मांग, डीएफओ बोले कर्तव्यों का निर्वहन नहीं करने पर हो रही कार्रवाई

कोण्डागांव। कोण्डागांव वनमंडल के मैदानी वन कर्मचारियों ने विभागीय अधिकारियों पर अनावश्यक दबाव बनाने का आरोप लगाते हुए अपनी समस्याओं के समाधान की मांग की है। इस संबंध में कर्मचारियों की ओर से वनमंडलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर स्थिति से अवगत कराया गया।

ज्ञापन में कर्मचारियों ने बताया कि पिछले कुछ समय से उन पर कार्य को लेकर अत्यधिक दबाव बनाया जा रहा है, जिससे वे मानसिक तनाव महसूस कर रहे हैं। कर्मचारियों का कहना है कि फील्ड में विपरीत परिस्थितियों में कार्य करने के बावजूद वेतन रोकने, सीआर खराब करने तथा अन्य वनमंडलों में स्थानांतरण की धमकी दी जाती है, जिससे कर्मचारियों में असंतोष का माहौल बन रहा है।

सीमित संसाधनों के बावजूद आग पर काबू पाने के प्रयास

वन कर्मचारियों ने यह भी बताया कि अधिकारियों द्वारा समय-समय पर मोबाइल के माध्यम से लाइव लोकेशन मांगी जाती है तथा ऑनलाइन माध्यमों से निगरानी रखी जाती है। कर्मचारियों के अनुसार मोबाइल फोन उनकी निजी संपत्ति है, इसलिए इस प्रकार की निगरानी से उन्हें असुविधा होती है। कर्मचारियों का कहना है कि वर्तमान में अग्नि सीजन चल रहा है और वे सुबह से ही जंगल क्षेत्रों में जाकर आग पर नियंत्रण करने का कार्य कर रहे हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद आग पर काबू पाने के प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन इसके बाद भी कई बार कर्मचारियों को वेतन रोकने और सीआर खराब करने की चेतावनी दी जाती है। वहीं जंगल क्षेत्रों में नेटवर्क की समस्या के कारण कई कर्मचारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में शामिल नहीं हो पाते, जिससे कार्रवाई का डर बना रहता है।

कई वनरक्षक और वनपालों के पास दो से तीन बीट का अतिरिक्त प्रभार : ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि कई वनरक्षक और वनपालों के पास दो से तीन बीट का अतिरिक्त प्रभार है, इसके बावजूद वे पूरी जिम्मेदारी के साथ कार्य कर रहे हैं। कर्मचारियों ने विभाग से मांग की है कि उन पर अनावश्यक दबाव न बनाया जाए और वेतन रोकने, सीआर खराब करने तथा स्थानांतरण की धमकी जैसी कार्यवाहियों को रोका जाए।

कर्तव्यों का निर्वहन नहीं करने पर हो रही कार्रवाई - डीएफओ

वहीं इस मामले में वनमंडलाधिकारी चूड़ामणि सिंह ने कहा कि कुछ कर्मचारी अपने कर्तव्यों का सही ढंग से निर्वहन नहीं करते और कई बार अपने घरों में ही रहते हैं। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों द्वारा वनों का सघन निरीक्षण नहीं किए जाने के कारण ही कई जगहों पर आगजनी और पेड़ों की कटाई जैसी घटनाएं सामने आती हैं। ऐसे में जिन कर्मचारियों द्वारा कार्य में लापरवाही बरती जा रही है, उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जा रही है।

वन कर्मियों ने दी चेतावनी

वन कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो वे वनमंडल कार्यालय में कार्य बंद कर धरने पर बैठने को मजबूर होंगे, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी विभागीय अधिकारियों की होगी।

कलेक्टर द्वारा अंतरविश्वविद्यालयीन क्रीड़ा प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले विद्यार्थियों का सम्मान

कोण्डागांव। जिले की कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना द्वारा शासकीय गुंडाधुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोण्डागांव के विभिन्न अंतरविश्वविद्यालयीन क्रीड़ा प्रतियोगिताओं में भाग लेकर महाविद्यालय एवं जिले का नाम गौरवान्वित करने वाले प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए उन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वाले विद्यार्थियों में विपुल (शतरंज), हिमांशु उसेंडी एवं राजेश कोर्राम (फुटबॉल), मोना दुग्गा, चांदनी कोर्राम एवं सुशांत नेताम (बास्केटबॉल), देवंतिन (कबड्डी), परमिन नाग एवं अंशु तिवारी (टेबल टेनिस) तथा सुशीला (तीरंदाजी) शामिल हैं। इन सभी विद्यार्थियों ने शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और महाविद्यालय के साथ-साथ जिले का नाम भी गौरवान्वित किया। इस अवसर पर कलेक्टर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल एवं शैक्षणिक प्रतियोगिता विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। खेलों से अनुशासन, नेतृत्व क्षमता तथा टीम भावना का विकास होता है। उन्होंने विद्यार्थियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। महाविद्यालय के क्रीड़ाधिकारी एच. आर. यदु ने जानकारी देते हुए बताया कि प्राचार्य डॉ. सरला आत्राम के मार्गदर्शन तथा उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशों के अनुरूप महाविद्यालय में विभिन्न खेलों का नियमित प्रशिक्षण एवं अभ्यास कराया जा रहा है। इसी सतत प्रयास और मार्गदर्शन के परिणामस्वरूप महाविद्यालय के विद्यार्थी राज्य स्तरीय एवं अंतरविश्वविद्यालयीन क्रीड़ा प्रतियोगिताओं में निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर महाविद्यालय को गौरवान्वित कर रहे हैं। इस अवसर पर जिला प्रशासन के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने विद्यार्थियों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

छात्र-छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से दिया महिला सशक्तिकरण का संदेश

जगदलपुर। कुम्हरावंड स्थित शहीद गुंडाधूर कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र में आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर के अंतर्गत 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में एक भव्य एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस विशेष अवसर पर महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने ग्रामीण अंचल में महिलाओं के बीच शिक्षा के प्रति अलख जगाने और महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक सार्थक पहल की। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने अत्यंत प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन किया, जिसके माध्यम से उन्होंने गाँव की महिलाओं को शिक्षा के महत्व से रूबरू कराया और बेटियों को शिक्षित करने तथा उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए प्रोत्साहित किया। इस गरिमामयी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. आरएस नेताम उपस्थित रहे, जिनके मार्गदर्शन में छात्रों ने सामाजिक जागरूकता का यह अभियान चलाया। कार्यक्रम की सफलता में मातृ शक्ति के रूप में डॉ. सोनाली कर के साथ-साथ डॉ. पदमाक्षी ठाकुर, डॉ. चेतना खांडेकर, डॉ. विनीता पांडेय, डॉ. गुंजा ठाकुर, सोमा बंछोर, शालिनी मिश्रा और ऋचा धुरंधर ने अपनी विशेष भागीदारी सुनिश्चित की। इन महिला विशेषज्ञों ने ग्रामीण परिवेश में महिलाओं के अधिकारों और उनकी प्रगति पर जोर दिया। इस अवसर पर डॉ. एके ठाकुर ,डॉ. आरआर कंवर ,डॉ. पीके सलाम और एमबी तिवारी सहित महाविद्यालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे। पूरे कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल महिला दिवस मनाना था, बल्कि धरातल पर जाकर समाज को यह संदेश देना था कि शिक्षित और सशक्त महिला ही एक उन्नत राष्ट्र का निर्माण कर सकती है।

188वीं वाहिनी सीआरपीएफ द्वारा जिला अस्पताल कोण्डागांव में स्वैच्छिक रक्तदान दिवस आयोजित

कोण्डागांव। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के 87वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में उच्च कार्यालय के निर्देशानुसार 6 से 10 मार्च तक रक्तदान शिविर आयोजित किया जा रहा है। इसी क्रम में 188 वीं वाहिनी सीआरपीएफ द्वारा जिला अस्पताल कोण्डागांव के चिकित्सकों के सहयोग से 10 मार्च को स्वैच्छिक रक्तदान दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन 188वीं वाहिनी के कमांडेंट भवेश चौधरी के मार्गदर्शन और निर्देशन में किया गया। इस दौरान वाहिनी के अधिकारियों, अधीनस्थ अधिकारियों और जवानों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हुए बड़ी संख्या में स्वैच्छिक रक्तदान किया। कमांडेंट भवेश चौधरी ने बताया कि रक्तदान दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देना है, ताकि जरूरतमंद लोगों के लिए सुरक्षित और पर्याप्त रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है और किसी व्यक्ति द्वारा किया गया रक्तदान किसी की जान बचाने में सहायक हो सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि बल द्वारा समय-समय पर ऐसे सामाजिक कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को जागरूक और प्रेरित किया जाता है। कार्यक्रम में द्वितीय कमान अधिकारी नीतिन्द्रनाथ, उप कमांडेंट कमल सिंह मीणा, जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. आरके चतुर्वेदी तथा अस्पताल का स्टाफ उपस्थित रहा। इसके साथ ही वाहिनी के अधीनस्थ अधिकारियों और बड़ी संख्या में जवानों ने भी इस आयोजन में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

थाना उरंदाबेडा पुलिस द्वारा महिला को बेइज्जती एवं गलत नियत से छेड़छाड़ करने वाला आरोपी को किया गया गिरफ्तार

कोण्डागांव। घटना 09 मार्च 2026 को महिला प्रार्थीया पीड़िता अपने माँ के गांव से से अपने घर जा रही थी इसी दौरान आरोपी कामेश्वर नाग पिता अधिराम नाग उम्र 23 साल निवासी मांदागॉव थाना बडेड़ोगर जिला कोंडागांव महिला पीड़िता प्रार्थीया को अकेली जानकर उसके साथ गलत काम करने की नियत से शाम के समय पीड़िता के पास पहुंच कर पीड़िता को बेज्जती करने की नियत से आरोपी कामेश्वर नाग द्वारा उसे जमीन पर गिरा गर उसके पीठ मे चढ़ गया एवं पीड़िता के अंग को छूते हुए पीड़िता से छेड़छाड करने लगा पीड़िता द्वारा अपने बीच बचाव मे आरोपी को पीछे धकेलते चिल्लाने लगी तब आस पास के लोग पीड़िता के पास पहुचे आरोपी द्वारा अंधेला का फ़ायदा उठाकर घटना कारीत कर फरार हो गया, महिला पीड़िता प्रार्थीया की रिपोर्ट पर द्वारा थाना फरसगांव मे बिना नम्बरी अपराध 00/2026 धारा 74 ठछै महिला विवेचक द्वारा कायम कर प्रार्थीया पीड़िता का कथन एवं मेडिकल मुलाहिजा कराया गया, घटना स्थल थाना उरंदाबेडा क्षेत्रहोने से थाना उरंदाबेडा मे अपराध क्रमांक 03/2026 धारा 74 ठछै कायम कर विवेचना मे लेकर आरोपी कामेश्वर नाग की पतासाजी हेतु मुखबिर लगाई गई मुखबिर की सूचना पर आरोपी कामेश्वर नाग को ग्राम गोडमा चौक से हिरासत मे लेकर थाना उरंदाबेडा लाया गया, आरोपी कामेश्वर नाग द्वारा अपराध कबूल किये जाने से आरोपी कामेश्वर नाग को 10 मार्च के 14: 00 बजे विधिअनुसार गिरफ्तार कर गिरफ्तारी की सूचना उसके भाई कमलेश नाग को एवं गिरफ्तारी के आधार की सूचना आरोपी कामेश्वर नाग को देकर मुलाहिज़ा करा माननीय न्यायालय कोंडागांव मे मय सुरक्षार्थ बल रिमांड एवं अपराध डायरी के पेश किया गया जहाँ माननीय न्यायालय द्वारा आरोपी कामेश्वर नाग का जेल वारंट बनाये जाने से केंद्रीय जेल जगदलपुर दाखिला किया गया.विदित हो की पुलिस अधीक्षक कोंडागांव पंकज चंद्रा (भा.पु.से.) के मार्गदर्शन मे नाबालिक बालिका एवं महिलाओ के साथ हो रहे अत्याचार की रोकथाम हेतु कोंडागांव पुलिस द्वारा आरोपियों के विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्यावाही की जा रही हैं।

मुख्यमंत्री ने जाल और आइसबॉक्स सौंपकर महिला मत्स्य पालकों के सपनों को दी नई उड़ान

जगदलपुर। जिले के विकासखंड मुख्यालय बस्तर में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित वृहद् महतारी वंदन सम्मेलन 2026 महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण का नया अध्याय साबित हुआ। लाल बहादुर शास्त्री मिनी स्टेडियम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की उपस्थिति में बस्तर की उन महिलाओं के हाथों को मजबूती दी गई, जो पारंपरिक सीमाओं को तोड़कर मत्स्यपालन के क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही हैं। मुख्यमंत्री साय ने महिला मत्स्य पालकों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से उन्हें जाल और आधुनिक आइसबॉक्स वितरित किए, जो उनके श्रम को सम्मान और उनकी आय को नई ऊंचाई प्रदान करेगा। सशक्तिकरण की यह गूँज विकासखंड बस्तर के ग्राम भाटपाल, टाकरागुडा और भुरसुंडी में साफ देखी जा सकती है, जहाँ की निजी महिला मत्स्य कृषक पिछले 4-5 वर्षों से कड़ी मेहनत कर आर्थिक स्वावलंबन की ओर बढ़ रही हैं। विभाग द्वारा प्रदान किए गए इन संसाधनों का उद्देश्य इन महिलाओं को मत्स्याखेट के दौरान होने वाली शारीरिक परेशानियों से मुक्ति दिलाना और उन्हें अधिक ऊर्जा के साथ व्यवसाय विस्तार के लिए प्रेरित करना है। इसी कड़ी में ग्राम बड़ेचकवा की इन्द्रावती आदिवासी मछुआरा सहकारी समिति की महिला सदस्यों का साहस भी अनुकरणीय है।

संक्षिप्त समाचार

सीईओ ने अनुकंपा नियुक्ति के पूर्व मंगाई दावा-आपत्ति

बिलासपुर। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने कार्यालय में अनुकंपा नियुक्ति के लिए प्राप्त 2 आवेदकों के आवेदन के छानबीन के क्रम में 7 दिवस के भीतर आमजनता से दावा आपत्ति मंगाई है। यदि आवेदक के परिवार के कोई भी सदस्य यदि शासकीय सेवा में कार्यरत हो अथवा किसी प्रकार के अपराधिक या न्यायालीन मामले उनके विरूद्ध लंबित हो तो इसकी जानकारी उक्त समयावधि में बंद लिफाफे में या स्वयं कार्यालय में उपस्थित होकर जानकारी दे सकते है। सीईओ ने आगे बताया कि कार्यालय में कार्यरत सकरी तहसील के बेलटुकरी निवासी स्व. श्री शत्रुहन दास मानिकपुरी के परिवार से उनके पुत्र श्री निखिल मानिकपुरी एवं कोटा तहसील के डबरीपारा के स्व. श्री बुधराम नायक के पुत्र श्री रमेश कुमार ने अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन दिया है। कार्यालय में पत्र व्यवहार हेतु ई-मेल आईडी estb@jskbmbilaspur.bank.in अथवा पूर्ण पता-मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित, नेहरू चौक बिलासपुर पिन कोर्ड-495001 में आवेदक के संबंध में जानकारी प्रेषित कर सकते है। आपत्ति हेतु निर्धारित समय-सीमा 7 दिवस के भीतर उपलब्ध कराए जाने पर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता भर्ती आवेदन 27 मार्च तक

बिलासपुर। एकीकृत बाल विकास परियोजना मस्तुरी अंतर्गत आंगनबाड़ी केन्द्र मल्हार 1, वार्ड क्र 5 खईयापारा में कार्यकर्ता के 1 रिक्त पद पर 27 मार्च तक ऑनलाईन आवेदन किये जा सकते है। ई-भर्ती ऑनलाईन लिंक estb@jskbmbilaspur.bank.in में जाकर अनिवार्य दस्तावेजों की फाइल अपलोड करते हुए आवेदन कर सकते है। आवेदन ऑफ्लाईन स्वीकार नहीं किये जायेंगे। नियत समय के बाद प्राप्त आवेदन पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जाएगा।

जब्त मादक पदार्थों का किया गया नष्टीकरण

बिलासपुर। जिले के थानों में जब्त किये गये मादक पदार्थों का नष्टीकरण जिला स्तरीय औषधि निपटान समिति के सदस्यों की उपस्थिति में सुधा बॉयो पावर प्राईवेट लिमिटेड मोहतराई के भट्ठी में विधिवत जलाकर एवं रोलर के माध्यम से नष्टकर किया गया। नष्ट किये गए मादक पदार्थों में गांजा 757.603 किग्रा, एमडीएमए 16.6 ग्राम, टेबलेट कैप्सूल 12164 नग, इंजेक्शन एम्पुल 8818 नग एवं 6468 नग सिरप शामिल है। इस दौरान ड्रग डिस्पोजल समिति के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री रजनेश सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर श्री पंकज कुमार पटेल, सहायक आबकारी आयुक्त श्री नवनीत तिवारी, क्षेत्रीय पर्यावरण अधिकारी व पंचान की उपस्थिति रही।

चरित्र शंका में पति ने पत नी की डंडे से पीट-पीटकर की हत्या

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले के वनांचल क्षेत्र पसान में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक पति ने चरित्र पर शक के चलते अपनी ही पत्नी की बेरहमी से हत्या कर दी। आरोपी ने पत्नी पर डंडे से ताबड़तोड़ वार किए और उसका सिर दीवार पर पटक दिया, जिससे महिला की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी पति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

मुर्गा-भात की दावत के बाद हुआ खूनी विवाद

मिली जानकारी के अनुसार ग्राम साजाकछार सारिसमार निवासी प्रार्थी नन्नू कूजूर ने बताया कि 9 मार्च की रात वह अपने चाचा राजूलाल कूजूर के घर मुर्गा-भात खाने गया था। भोजन करने के बाद वह अपने घर लौट आया। इसी दौरान देर रात राजूलाल और उसकी पत्नी उर्मिला बाई के बीच किसी बात को लेकर विवाद शुरू हो गया। बताया जा रहा है कि विवाद इतना बढ़ गया कि गुस्से में आकर राजूलाल ने लकड़ी के बहिंगा (डंडे) से उर्मिला के सिर पर कई वार कर दिए। इसके बाद उसने क्रूरता की सारी हदें पार करते हुए पत्नी का सिर दीवार पर पटक दिया। गंभीर चोट लगने से उर्मिला बाई की मौके पर ही मौत हो गई।

सुबह खुद ही दी घटना की जानकारी

वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी रात भर घर में ही मौजूद रहा। अगले दिन सुबह करीब 7 बजे उसने खुद ही परिजनों को घटना की जानकारी दी। जब परिजन मौके पर पहुंचे तो उर्मिला बाई का शव लहूलुहान हालत में जमीन पर पड़ा था और घर की दीवार पर भी खून के निशान दिखाई दे रहे थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीतीश ठाकुर के निर्देश पर थाना प्रभारी चंद्रपाल खांडे के नेतृत्व में टीम गठित की गई। पुलिस ने सीन ऑफ क्राइम टीम के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया और जांच शुरू की।

दिल की बीमारी से जूझ रही बिलासपुर की पीहू को मिला नया जीवन,'प्रोजेक्ट धड़कन' से हुआ सफल इलाज.....

- प्रोजेक्ट धड़कन' से सफल ऑपरेशन के बाद अब पूरी तरह स्वस्थ, परिवार ने मुख्यमंत्री का जताया आभार
- पीहू की माता श्रीमती इंद्राणी कारके ने इस पहल के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया

बिलासपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में जिला प्रशासन रायपुर की पहल प्रोजेक्ट धड़कन के तहत बिलासपुर की पीहू को नया जीवन मिला है। प्रोजेक्ट धड़कन के अंतर्गत संचालित स्वास्थ्य सेवाओं से बिलासपुर के ग्राम भोजपुरी में रहने वाली 11 वर्षीय पीहू कारके की हृदय संबंधी समस्या का इलाज किया गया। पीहू लंबे समय से हृदय संबंधी स्वास्थ्य समस्या से जूझ रही थी। पीहू अब सफल उपचार के बाद पूरी तरह स्वस्थ होकर सामान्य जीवन जी रही है। पीहू के माता पिता ने इस पहल के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का आभार जताया है। कक्षा छठवीं में पढ़ने वाली पीहू के हृदय में समस्या होने के कारण उसे खेल-कूद और अन्य शारीरिक गतिविधियों में कठिनाई होती थी। इसी बीच जिला प्रशासन रायपुर द्वारा पुलिस विभाग के कर्मचारियों एवं उनके परिवारों के लिए आयोजित 'प्रोजेक्ट छांव' के अंतर्गत स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया। पीहू के पिता पुलिस विभाग में कार्यरत हैं और जगदलपुर में सेवाएं दे रहे हैं। इस शिविर में माता

पिता द्वारा पीहू की भी जांच कराई गई। के लिए सत्य साईं हॉस्पिटल, नवा 'प्रोजेक्ट धड़कन' की विशेषज्ञ टीम ने पीहू के हृदय की जांच की। प्रारंभिक जांच के बाद पीहू को आगे के उपचार रायपुर भेजा गया। अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा विस्तृत जांच के बाद एक सप्ताह के भीतर उसका सफल ऑपरेशन किया गया। ऑपरेशन के बाद पीहू को स्वस्थ अवस्था में अस्पताल से छुट्टी दे दी गई और अब वह बिलासपुर में अपने घर पर सामान्य जीवन जी रही है। पीहू पूरी तरह स्वस्थ है और पहले की तरह पढ़ाई-लिखाई में मन लगा रही है। साथ ही वह अपनी बहनों और दादी के साथ कैरम और अन्य खेलों का भी आनंद ले रही है। पीहू की माता श्रीमती इंद्राणी कारके ने इस पहल के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि 'प्रोजेक्ट धड़कन' की मदद से उनकी बेटी का समय पर इलाज संभव हो सका और अब वह स्वस्थ जीवन जी पा रही है। प्रोजेक्ट धड़कन की पहल न केवल जरूरतमंद बच्चों को समय पर उपचार उपलब्ध करा रही है, बल्कि उनके परिवारों के लिए भी नई उम्मीद और विश्वास का संचार कर रही है।

केरा बाई की सफलता की कहानी बाड़ी से बनी आत्मनिर्भरता की राह

बिलासपुर। जनपद पंचायत बिल्हा के भैंसबोड क्लस्टर अंतर्गत ग्राम पंचायत निपानिया की एकता स्व-सहायता समूह से जुड़ी केरा बाई आज गांव की अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन चुकी हैं। कभी केवल घरेलू कार्यों तक सीमित रहने वाली केरा बाई ने जब समूह से जुड़ने का निर्णय लिया, तब उनके जीवन में एक नई शुरुआत हुई। समूह की बैठकों में भाग लेने से उनमें आत्मविश्वास का संचार हुआ और उन्होंने घर की चौखट से बाहर निकलकर कुछ नया करने का साहस जुटाया। समूह से ऋण के रूप में मिली आर्थिक सहायता ने उनके सपनों को पंख दिए। उन्होंने अपनी बाड़ी में सब्जी-भाजी उगाने का कार्य प्रारंभ किया। मेहनत, लगन और नियमित देखभाल के कारण उनकी बाड़ी हरी-भरी हो उठी। ताज़ी और

जैविक सब्जियों की मांग बढ़ने लगी और धीरे-धीरे यह कार्य उनकी आजीविका का मजबूत माध्यम बन गया। आज केरा बाई न केवल अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बना रही हैं, बल्कि अन्य महिलाओं को भी आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित कर रही हैं। उनकी आय में निरंतर वृद्धि हो रही है। केरा बाई ने बताया कि महतारी वंदन योजन के तहत मिलने वाली से उनकी छोटी छोटी जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलती है। और वे लखपति दीदी बनने की ओर मजबूती से अग्रसर हैं।वे कहती हैं, समूह से जुड़ने के बाद मुझे अपने भीतर की शक्ति का एहसास हुआ। अब मैं आत्मविश्वास के साथ काम करती हूं और अपने परिवार का सहारा बनी हूं। जिसके लिए मै प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की आभारी हूं।

कलेक्टर ने निर्माणाधीन महतारी सदन,पीएम आवास,सीएलएफ भवन एवं नव निर्मित पीडीएस गोदाम का किया निरीक्षण

गौरेला पेंड्रा मरवाही। कलेक्टर श्रीमती लीना कमलेश मंडावी ने आज पेण्ड्रा विकासखण्ड के विभिन्न ग्राम पंचायतो के भ्रमण के दौरान निर्माणाधीन महतारी सदन, पीएम आवास, सीएलएफ भवन एवं नव निर्मित पीडीएस गोदाम का निरीक्षण किया। उन्होंने ग्राम पंचायत पतगवां में 30 लाख रुयपे की लागत से बन रहे महतारी सदन का अवलोकन कर गुणवत्ता आदि की जानकारी ली। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की मंशा के अनुरुप महिलाओं की रचनात्मक गतिविधियों और आर्थिक उन्नति के केन्द्र के रुप में महतारी सदनो का निर्माण किया जा रहा है। महतारी सदन एक व्यवस्थित बुनियादी ढ़ाचा है, जिसमें एक कार्यालय कक्ष, बड़ा बैठक हॉल, उत्पादों के भंडाढ़ और

विक्रय के लिए अतिरिक्त कमरा और आधुनिक रसोई घर तथा महिला एवं पुरुष प्रसाधनों की समुचित व्यवस्था की गई है। कलेक्टर ने ग्राम पंचायत गिरारी में प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राही लक्ष्मी सागर के निर्माणाधीन आवास का अवलोकन किया। यह आवास डोर लेवल तक बन चुका है। कलेक्टर ने हितग्राही से चर्चा की और शीध्रता से आवास पूर्ण करने कहा। उन्होंने ग्राम पंचायत कोटमी में निर्माणाधीन सामुदायिक संकुल संगठन (सीएलएफ) भवन का अवलोकन किया और संबंधित निर्माण ऐजेंसी को एक माह के भीतर पुटटी, पुताई, लाईटिंग आदि का कार्य कर भवन पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने ग्राम पंचायत नवागांव में नव निर्मित पीडीएस गोदाम का भी अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सीईओ श्री मुकेश रावटे, कार्यपालन अभियंता ग्रामीण यांत्रिकी सेवा श्री बीएल सिहस्रे भी उपस्थित थे।

जीवन में सफलता पाने के लिए अनुशासन जरूरी: डॉ. प्रशांत बोपापुरकर

कोरबा। राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) इकाई, कमला नेहरू महाविद्यालय कोरबा में 'बी' प्रमाण पत्र परीक्षा का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रशांत बोपापुरकर ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए अनुशासन के साथ निरंतर प्रयास और साधना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि अनुशासन और निरंतर परिश्रम व्यक्ति के व्यवहार को परिष्कृत करता है और उसे एक बेहतर नागरिक तथा सशक्त व्यक्तित्व के रूप में विकसित करता है, जिससे समाज के समग्र विकास और एक सुदृढ़ सामाजिक व्यवस्था के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान मिलता है। कार्यक्रम में स्व. प्यारेलाल कंवर शासकीय महाविद्यालय भैसमा के कार्यक्रम अधिकारी राजू सिंह कंवर बाह्य परीक्षक के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने भी स्वयंसेवकों को राष्ट्रीय सेवा योजना की भावना को आत्मसात करते हुए समाजसेवा के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान स्वयंसेवकों को रासेयो के उद्देश्यों, अनुशासन और सामाजिक दायित्वों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।कार्यक्रम में रासेयो जिला संगठक वाय. के. तिवारी का मार्गदर्शन भी स्वयंसेवकों को प्राप्त हुआ। उन्होंने स्वयंसेवकों को सेवा, समर्पण और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं को नेतृत्व, अनुशासन और सामाजिक जागरूकता का महत्वपूर्ण मंच प्रदान करती है।

आजीविका मिशन के तहत सब्जी-भाजी एवं मछली पालन व्यवसाय से लखपती दीदी बनी सोनम राठौर

गौरेला पेंड्रा मरवाही। गौरेला विकासखंड के ग्राम नेवरी नवापारा की दीप ज्योति महिला स्वसहायता समूह की सदस्य श्रीमती सोनम राठौर आजीविका मिशन के तहत सब्जी-भाजी एवं मछली पालन व्यवसाय से लखपती दीदी बन गई हैं। सोनम राठौर अपनी मेहनत और लगन से एक प्रेरणादायक मिसाल कायम की है और आज वे लखपति दीदी के रूप में जानी जाती हैं। सोनम राठौर बताती हैं कि यदि महिलाएं कुछ करने का ठान लें तो कोई भी कार्य कठिन नहीं होता। उन्होंने कभी सोचा भी नहीं था कि छोटे स्तर पर शुरू किया गया उनका व्यवसाय इतना बड़ा रूप ले लेगा। आज आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने के बाद समाज में उनकी एक अलग पहचान बनी है।समूह से जुड़ने से पहले सोनम केवल खेती-किसानी के कार्यों में परिवार की मदद करती थीं और परिवार की आर्थिक स्थिति भी ज्यादा मजबूत नहीं थी। लेकिन बिहान मिशन से जुड़ने के बाद उन्हें प्रशिक्षण, मार्गदर्शन और आर्थिक सहयोग मिला, जिससे उन्होंने धीरे-धीरे अपने काम की शुरुआत की। आज सोनम कई प्रकार

के व्यवसाय कर रही हैं। वे खेती के साथ-साथ सब्जी उत्पादन का व्यवसाय करती हैं। अपने निजी तालाब में सिंघाड़ा उत्पादन और मछली पालन भी करती हैं। इसके अलावा घर पर बकरी पालन, किराना और मनिहारी दुकान भी संचालित करती हैं। मौसम के अनुसार वे अलग-अलग उत्पाद जैसे आचार, पापड़ तथा होली के समय हर्बल गुलाल बनाकर बेचती हैं। इन सभी गतिविधियों से उन्हें सालाना लगभग ढाई से तीन लाख रुपये की आय प्राप्त हो रही है। इससे न केवल उनके परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है, बल्कि वे अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन गई हैं। सोनम राठौर कहती हैं कि बिहान मिशन ने मुझे आत्मनिर्भर बनने का अवसर दिया। आज मैं अपने परिवार का सहारा बन सकी हूँ और अन्य महिलाओं को भी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित कर रही हूँ।

एसईसीएल में कोल इंडिया अंतर-कंपनी शतरंज प्रतियोगिता 2025-26 का भव्य शुभारंभ किया

- निदेशक (मानव संसाधन) श्री बिरंची दास के मुख्य आतिथ्य में हुआ प्रतियोगिता का उद्घाटन

बिलासपुर। दिनांक 12 मार्च 2026 को एसईसीएल वसंत विहार टाउनशिप स्थित वसंत क्लब में साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) की मेजबानी में कोल इंडिया अंतर-कंपनी शतरंज प्रतियोगिता 2025-26 का भव्य शुभारंभ संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में एसईसीएल के निदेशक (मानव संसाधन) श्री बिरंची दास उपस्थित रहे। 12 से 14 मार्च तक आयोजित होने वाली इस प्रतियोगिता में कोल इंडिया की सभी आठ अनुषंगी कंपनियों के साथ-साथ सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड के प्रतिभागी भी भाग ले रहे हैं। इस अवसर पर एसईसीएल के निदेशक (मानव संसाधन) श्री बिरंची दास ने सभी खिलाड़ियों एवं उपस्थितजनों को

खेल भावना की शपथ दिलाई। खिलाड़ियों को शुभकामनाएँ देते हुए अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि शतरंज केवल एक खेल नहीं है, बल्कि यह रणनीति, धैर्य, योजना और निर्णय क्षमता का उत्कृष्ट संगम है। 64 खानों वाले शतरंज पट पर हर निर्णय सोच-समझकर लेना होता है। यही गुण हमें अपने व्यावसायिक जीवन और दैनिक कार्यों में भी बेहतर बनने के लिए प्रेरित करते हैं। इस अवसर पर श्रमसंघ प्रतिनिधियों में एसईसीएल कल्याण मंडल के सम्मानित सदस्य श्री बजरंगी शाही, मुख्यालय के विभिन्न विभागाध्यक्षगण, एसईसीएल मुख्यालय कल्याण मंडल समिति, संयुक्त परामर्श समिति के सदस्य, क्षेत्रीय कल्याण समिति के सदस्य, विभिन्न परिषदों एवं संघों के प्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या में अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा विभिन्न टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया गया तथा सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएँ दी गईं। कार्यक्रम के आरंभ में एक सुंदर स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। साथ ही छत्तीसगढ़ के पारंपरिक कर्मा नृत्य तथा ओडिसी नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति भी दी गई। कार्यक्रम में स्वागत भाषण श्री जी. श्यामला राव, महाप्रबंधक (कल्याण) द्वारा प्रस्तुत किया गया। मंच संचालन श्री शेख ज़ाकिर हुसैन, मुख्य प्रबंधक (पर्यावरण) द्वारा किया गया तथा अंत में धन्यवाद ज्ञापन श्री विवेक कुमार सिंह, वरिष्ठ प्रबंधक (कल्याण) द्वारा प्रस्तुत किया गया।

सनी सिंह पुनः भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला महामंत्री नियुक्त

कोरबा। भारतीय जनता पार्टी के समर्पित और सक्रिय युवा नेता सनी सिंह को एक बार फिर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपते हुए भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा, जिला कोरबा का जिला महामंत्री नियुक्त किया गया है। संगठन के प्रति उनकी निष्ठा, सक्रियता और कार्यकर्ताओं के बीच मजबूत पकड़ को देखते हुए पार्टी नेतृत्व ने उन्हें पुनः इस महत्वपूर्ण पद की जिम्मेदारी सौंपी है। सनी सिंह की पुनर्नियुक्ति से भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों में उत्साह का माहौल है। संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उन्हें बधाई देते हुए विश्वास जताया है कि उनके नेतृत्व और सक्रियता से अल्पसंख्यक मोर्चा कोरबा जिले में और अधिक मजबूत होगा तथा पार्टी की नीतियों और योजनाओं को समाज के प्रत्येक वर्ग तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जाएगा। सनी सिंह लंबे समय से भारतीय जनता पार्टी के संगठनात्मक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। वे विभिन्न सामाजिक और संगठनात्मक कार्यक्रमों में निरंतर भागीदारी निभाते हुए पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करते रहे हैं। उनकी सक्रियता, जनसंपर्क और संगठन के प्रति समर्पण को देखते हुए पार्टी ने एक बार फिर उन पर भरोसा जताया है।

सनातन धर्म में पूजा-पाठ का विशेष महत्व

सनातन धर्म में पूजा-पाठ का विशेष महत्व है। हम सभी ईश्वर के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट करने के लिए रोज़ाना पूजा करते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि पूजा करते समय बैठने या खड़े होने के भी कुछ विशेष नियम होते हैं? अक्सर लोग इस बात को लेकर उलझन में रहते हैं कि भगवान के सामने किस स्थिति में रहना सबसे उचित है। आइए, शास्त्रों के अनुसार जानते हैं कि पूजा के लिए सबसे सही तरीका क्या है।

पूजा करते समय बैठना क्यों माना जाता है शुभ?

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पूजा सामान्यत: बैठकर करना सबसे अच्छा माना जाता है। जब व्यक्ति शांत होकर एक आसन पर बैठकर पूजा करता है तो उसका मन अधिक एकाग्र रहता है। कहा जाता है कि बैठकर पूजा करने से मन स्थिर रहता है और ध्यान भटकता नहीं है। इससे भगवान की भक्ति और मंत्रों का प्रभाव भी बढ़ जाता है। शास्त्रों में भी बताया गया है कि पूजा करते समय किसी साफ और पवित्र आसन पर बैठना चाहिए, जैसे कि कुशा का आसन, ऊन का आसन या साफ कपड़े का आसन।

किन स्थितियों में खड़े होकर की जाती है पूजा?

हालांकि आमतौर पर पूजा बैठकर की जाती है, लेकिन कुछ धार्मिक कार्य ऐसे होते हैं जिनमें खड़े होकर पूजा करना भी उचित माना गया है। मंदिर में आरती के समय अक्सर लोग खड़े होकर भगवान की आरती करते हैं। इसके अलावा भजन-कीर्तन, परिक्रमा या विशेष अनुष्ठानों के दौरान भी खड़े होकर पूजा या प्रार्थना की जा सकती है। यदि किसी व्यक्ति को स्वास्थ्य संबंधी समस्या हो और वह लंबे समय तक बैठ नहीं सकता, तो वह खड़े होकर भी श्रद्धा से पूजा कर सकता है।

पूजा करते समय आसन का क्या महत्व है?

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पूजा करते समय सीधे जमीन पर बैठना उचित नहीं माना जाता। इसके लिए एक आसन का उपयोग करना चाहिए। आसन पर बैठकर पूजा करने से शरीर की ऊर्जा संतुलित रहती है और मन भी अधिक शांत रहता है। यही कारण है कि पूजा के समय एक निश्चित आसन का उपयोग करने की परंपरा रही है।

पूजा करते समय ध्यान रखने वाली जरूरी बातें

पूजा से पहले स्नान करके साफ कपड़े पहनें। पूजा हमेशा शांत और स्वच्छ स्थान पर करें। पूजा के समय मन को शांत और सकारात्मक रखें।

घड़े और सुराही का पानी पीते हैं

तो सफाई का रखें खास ख्याल

नहीं तो पड़ सकते हैं बीमार

अगर आप घड़े और सुराही का पानी पीते हैं, तो यह जानना जरूरी है कि उनकी सफाई किस तरह से करनी चाहिए। घड़े और सुराही का पानी न सिर्फ ठंडा रहता है बल्कि यह पानी पीने में भी स्वादिष्ट लगता है हालांकि, अगर इनकी सही से सफाई न की जाए तो इससे पानी में कीटाणु बढ़ सकते हैं जो आपको बीमार भी कर सकते हैं।

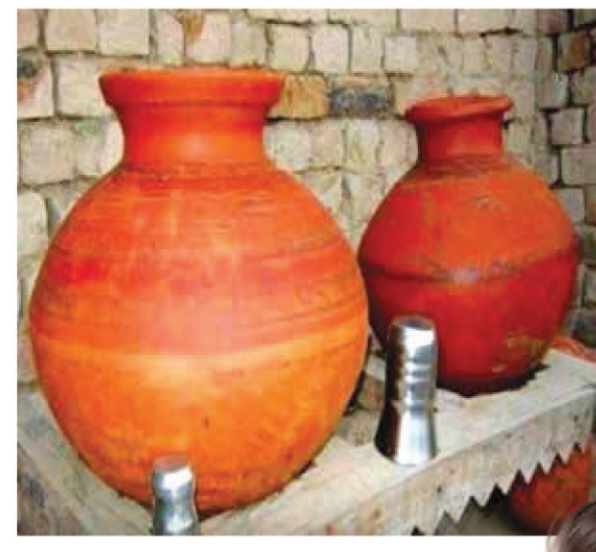

रोजाना सफाई करें : हर रोज सुराही या घड़े को खाली करें और गर्म पानी से अच्छी तरह से धोएं। इससे अंदर जमा गंदगी और कीटाणु निकल जाएंगे।

ब्रश का उपयोग करें : एक लंबे हैंडल वाला ब्रश लें जो घड़े या सुराही के अंदर तक पहुंच सके। इससे अंदर की सतहों को अच्छी तरह से साफ किया जा सकता है।

विनेगर का उपयोग करें : महीने में एक बार विनेगर और पानी का मिश्रण बनाकर उससे घड़े या सुराही को धोएं। विनेगर कीटाणुनाशक होता है और यह गंध को भी दूर करता है।

बेकिंग सोडा और सिरका का उपयोग : एक कटोरी में एक चमच बेकिंग सोडा, एक बड़ा चमच सफेद सिरका और थोड़ा सा नमक मिलाकर एक घोल बना लें। इसे घड़े में डालें और ब्रश से रगड़ें।

पानी में भिगोकर रखें : घड़े को पानी भरने से पहले, उसे रात भर पानी में भिगोकर रखें। इससे घड़े की अंदरूनी सफाई होती है और पानी भी अच्छे से ठंडा रहता है।

खीरा खाते वक्त हर कोई करता है ये गलती

दोगुना फायदा लेने से चूक जाते हैं लोग

गर्मियों में खीरा-ककड़ी और पानी वाले फल खाने की सलाह दी जाती है। इस मौसम में कुछ हल्का और ठंडा खाने का मन करता है। लोग गर्मियों में खाने में सलाद जरूर खाते हैं और सलाद में पहली पसंद होता है ठंडा-ठंडा खीरा, जो पानी से भरपूर होता है। खीरा की तासीर ठंडी मानी जाती है। इसे खाने से पेट आसानी से भर जाता है और शरीर ठंडा रहता है। खीरा में कई विटामिन और मिनरल्स भी पाए जाते हैं। हालांकि बहुत सारे लोग खीरा खाते वक्त ऐसी गलती कर बैठते हैं जिसकी वजह से उन्हें भरपूर फायदा नहीं मिल पाता है। आपकी इस गलती से शरीर को खीरा से सारे फायदे नहीं मिल पाते हैं। जानिए आप खीरा खाते वक्त क्या गलती कर बैठते हैं?

बिना छीले खीरा खाने के फायदे?

डाइटिशियन की मानें तो खारी खाते वक्त लोग एक छोटी सी गलती कर बैठते हैं जिससे शरीर को उतना फायदा नहीं मिल पाता है। ज्यादातर लोग खीरा को छीलकर खाते हैं। लेकिन अगर आप खीरा को बिना छीले खाते हैं तो इससे कहीं ज्यादा फायदा मिलता है। खीरा के छिलका में विटामिन ए यानि बीटा कैरोटिन और विटामिन के पाया जाता है। जो शरीर और बालों को लिए फायदेमंद साबित होता है।

पाचन के लिए बेहतर- जिन लोगों को कब्ज और पाचन संबंधी समस्याएं रहती हैं उन्हें बिना छीले ही खीरा खाना चाहिए। खीरा के छिलका में अघुलनशील फाइबर होता है जो कब्ज से राहत दिलाता है। बोवेल मूवमेंट को बेहतर बनाने में और पेट साफ करने में मदद करता है। वजन घटाए- अगर आप बिना छीले खीरा खाते हैं तो इसकी कैलोरी और भी कम हो जाती हैं। खीरा में फाइबर और रफेज की मात्रा इसके छिलके से और बढ़ जाती है। बिना छीले खीरा खाने से पेट लंबे समय तक भरा रहता है। इससे खाने के क्रेविंग कम होती है और मोटापा कम करने में मदद मिलती है। एजिंग को रखे दूर- खीना खाने से स्किन ग्लो करती है लेकिन इसके खीरा के छिलके में एस्कॉर्बिक एसिड होता है जो एजिंग को कम करता है। इसमें पाए जाने वाले पोषक तत्व ऑक्सीडेटिव डैमेज से स्किन को प्रोटेक्ट करते हैं। विटामिन ए और के से भरपूर- खीरा के छिलके में विटामिन ए पाया जाता है जो आंखों को स्वस्थ बनाने में मदद करता है। बीटा कैरोटीन लेना है तो खीरा को बिना छीले ही खाएं। इसके अलावा खीरा के छिलके में ब्लड को क्लॉटिंग में बदलने में मदद करने वाला विटामिन के भी पाया जाता है। विटामिन के हड्डियों को मजबूत बनाता है।

आज का राशिफल

मेष राशि - आज का दिन आपके लिए बहुत बढ़िया रहेगा। विद्यार्थियों को करियर के नए अवसर मिलेंगे। स्टूडेंट्स को जॉब के लिए कॉल आ सकती है। प्राइवेट कर्मचारियों को विदेश यात्रा का मौका मिल सकता है। निवेश के लिए दिन शुभ है, लेकिन पैसों के लेन-देन में सावधानी बरतें। अपने गुस्से पर काबू रखें, इससे बिगड़ते काम बन जाएंगे।

वृषभ राशि - आज आपका दिन खुशनुमा रहने वाला है। जीवनसाथी का सहयोग आपको बड़ी सफलता दिलाएगा। बिजनेसमैन की विदेश यात्रा लाभदायक होगी। बड़ी कंपनी से डील फाइनल हो सकती है। आर्थिक दृष्टि से दिन मजबूत है। घर में उत्सव का माहौल रहेगा। जीवनसाथी की राय से बिजनेस में लाभ होगा। माता-पिता का आशीर्वाद बना रहेगा।

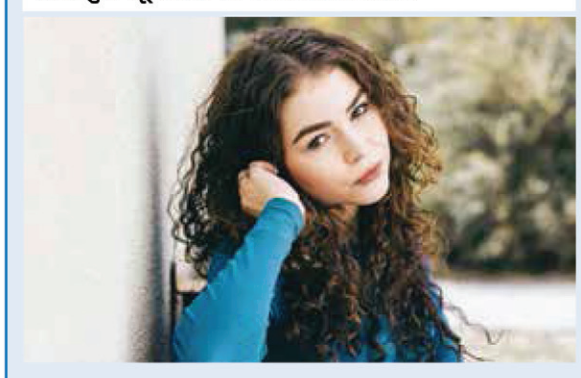

मिथुन राशि - आज आपके सोचे हुए काम पूरे होंगे। नए बिजनेस की शुरुआत के लिए यह एक बेहतरीन समय है। किसी मित्र के सहयोग से रुके हुए काम पूरे होंगे। जिम्मेदारियों को बखूबी निभाएंगे। आर्थिक स्थिति पहले से काफी बेहतर रहेगी। जीवनसाथी के सहयोग से बड़े कार्यों में सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य अच्छा बना रहेगा।

कर्क राशि - आज आपका दिन खास रहेगा। भविष्य के लिए महत्वपूर्ण संपर्क बनेंगे। नौकरी और व्यवसाय में किसी प्रभावशाली व्यक्ति से मुलाकात भविष्य में फायदेमंद होगी। घर के जरूरी कामों पर खर्च और सहयोग की स्थिति रहेगी। अविवाहितों के लिए विवाह का अच्छा प्रस्ताव आ सकता है। लवमेट के साथ लॉन्ग ड्राइव पर जा सकते हैं।

सिंह राशि - आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। चुनौतियों का सामना आप धैर्य के साथ करेंगे। कार्यशीलता के लिए सम्मानित किए जा सकते हैं। कंप्यूटर से संबंधित सामान खरीदना शुभ होगा। निवेश के लिए दिन शुभ है। घर में छोटी पार्टी का आयोजन हो सकता है। माता-पिता का स्नेह मिलेगा और पारिवारिक रिश्ते मजबूत होंगे। स्फूर्ति महसूस करेंगे।

कन्या राशि - आज आप पुरानी मान्यताओं को छोड़कर नए विचारों को अपनाएंगे, जिससे परिवार में उत्साह रहेगा। करियर की नई शुरुआत के लिए दिन शुभ है। किसी पुराने दोस्त से मुलाकात हो सकती है। सामान्य से बेहतर स्थिति रहेगी। जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने का प्लान बन सकता है। मनपसंद भोजन का आनंद लेंगे, स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

तुला राशि-आज का दिन आपके लिए फायदेमंद रहेगा। रुके हुए धन की वापसी से मन प्रसन्न होगा। वकीलों के लिए दिन महत्वपूर्ण है, केस पक्ष में रहेंगे। ऑफिस में काम की प्रशंसा होगी। पुराना दिया हुआ पैसा वापस मिलेगा। बिजनेस में बड़ा मुनाफा होने के योग हैं। जीवनसाथी के साथ विदेश यात्रा का प्लान बन सकता है। मित्रों का सहयोग मिलेगा। सेहत पहले से काफी बेहतर रहेगी।

वृश्चिक राशि - आज का दिन राहत भरा रहेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार से मानसिक शांति मिलेगी। कला और राजनीति से जुड़े लोगों के लिए बड़ा प्लेटफार्म मिलने का योग है। सोशल मीडिया पर लोकप्रियता बढ़ेगी। व्यापार में लाभ कराने वाले नए लोगों से मुलाकात होगी। पार्टनर के प्रति व्यवहार सकारात्मक रखें। लवमेट को गिफ्ट दे सकते हैं।

धनु राशि- लाभदायक दिन है। ऑफिस की मीटिंग्स और बिजनेस डील्स में सफलता के प्रबल योग हैं। करियर में नए आयाम स्थापित करेंगे। बड़ी कंपनी से डील फाइनल हो सकती है। कारोबारियों के लिए धन लाभ के योग हैं। ऑनलाइन शॉपिंग पर खर्च हो सकता है। दोस्तों के साथ अच्छा समय बीतेगा। ऊर्जावान महसूस करेंगे।

मकर राशि - आज आप हर किसी के साथ प्रेमपूर्वक व्यवहार करेंगे, जिससे आपकी छवि निखरेगी। मार्केटिंग और इलेक्ट्रॉनिक्स व्यापारियों के लिए अचानक धन लाभ के अवसर बनेंगे। अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा। आर्थिक लाभ के योग हैं, लेकिन अजनबियों पर भरोसा न करें। लवमेट के साथ मूवी देखने का प्लान बन सकता है।

कुंभ राशि- आज का दिन आपके लिए फेवरेबल (अनुकूल) रहेगा। ऊर्जा का सही दिशा में प्रयोग आपको बड़ी सफलता दिलाएगा। लेखन कार्य से जुड़े लोगों को सम्मान मिलेगा। ऑफिस और दोस्तों के बीच संतुलन बनाकर चलें। घर पर पार्टी का आयोजन होगा, खर्च बढ़ सकता है। लवमेट से मनपसंद उपहार मिलेगा, जिससे रिश्तों में मजबूती आएगी। ऊर्जा का स्तर बहुत अच्छा रहेगा।

मीन राशि- संचार और तकनीक से जुड़े लोगों के लिए दिन बेहतरीन है। विदेशी कंपनियों से अवसर मिल सकते हैं। अत्याधुनिक उपकरणों के प्रयोग से कार्यशैली में सुधार आएगा। नौकरी के लिए कॉल आ सकती है। कागजी कार्यवाही में सावधानी रखें, जरूरी दस्तावेजों को संभालकर रखें। परिवार वालों को खुश करने के लिए सरप्राइज प्लान करेंगे।

– ज्योतिष गुरु पंडित अतुल शास्त्री

गर्मियों में अपनाएं ये ब्यूटी टिप्स

गर्मियों के मौसम में स्किन का नैचुरल ग्लो खत्म हो जाता है और स्किन से जुड़ी तमाम समस्याएं होने लगती हैं। तेज धूप में सबसे कॉमन समस्या टैनिंग की होती है। वहीं कुछ लोगों को गर्मी के दिनों में चेहरे पर दाने और मुहांसे भी होने लगते हैं। रोजाना सुबह ऑफिस जाने वाली महिलाओं को स्किन से जुड़ी ज्यादा समस्याएं होती हैं। ट्रैवलिंग के दौरान प्रदूषण, धूल मिट्टी की वजह से स्किन डैमेज और दाग धब्बे जैसी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। अगर आप भी रोजाना ऑफिस जाती है, तो आपको एक्सपर्ट के बताएं कुछ ब्यूटी टिप्स को फॉलो करना चाहिए।

● एक्सफोलिएट करें

गर्मियों में स्किन खुद को हेल्दी रखने और किसी भी जलन या सनबर्न को ठीक करने के लिए कड़ी मेहनत करती है। ऐसे में एक्सफोलिएट करने से मदद मिल सकती है। एक्सफोलिएशन डेड स्किन सेल्स को हटाने में मदद करता है। ऐसा करने के बाद आपकी स्किन चमकदार दिखती है। ध्यान रखें कि त्वचा को जरूरत से ज्यादा एक्सफोलिएट न करें। हफ्ते में एक बार ऐसा करना ठीक है।

● सनस्क्रीन जरूर लगाएं

बहुत ज्यादा यूवी एक्सपोजर आपकी स्किन को नुकसान पहुंचा सकता है और सनबर्न, झुर्रियां, फाइन लाइन्स और समय से पहले बुढ़ापे के लक्षण दिख सकते हैं। ऐसे में एक ऐसा सनब्लॉक या सनस्क्रीन खरीदें जिसमें यूवी स्पेक्ट्रम कम से कम एसपीएफ 30 हो। घर से बाहर निकलने से पहले इसे अपनी त्वचा के सभी खुले हिस्सों पर लगाएं।

● मेकअप कम करें

गर्मियों के महीनों में मेकअप कम से कम करें। ऐसा इसलिए क्योंकि आपकी त्वचा को सांस लेने की जरूरत होती है, इसलिए जब मौसम बहुत गर्म हो तो मिनरल-आधारित मेकअप लगाने की कोशिश करें क्योंकि ये प्रोडक्ट हल्के होते हैं। अगर आप फाउंडेशन लगाना पसंद करते हैं तो इसकी जगह एसपीएफ वाला टिंटेड मॉइस्चराइजर लगाएं। इसपर फेस पाउडर लगा सकते हैं।

नाइट शिफ्ट करने वाले सावधान!

पांच खतरनाक बीमारियों का रिस्क ■ संभले नहीं तो बढ़ जाएंगी मुश्किलें

नाइट शिफ्ट करने वालों को अपनी सेहत का ख्याल रखना चाहिए, क्योंकि रातभर जागने से उनकी नींद पूरी नहीं होती और कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं होने लगती हैं, जो आगे चलकर गंभीर भी हो सकती हैं। रातभर जागकर काम करने से दिल की बीमारियां हो सकती हैं। इससे डिप्रेशन बढ़ सकता है। महिलाओं में तो ब्रेस्ट कैंसर तक का रिस्क रहता है। ऐसे में अगर आप नाइट शिफ्ट कर रहे हैं तो अपनी सेहत का भरपूर ख्याल रखें। किसी भी तरह की लापरवाही से बचें।

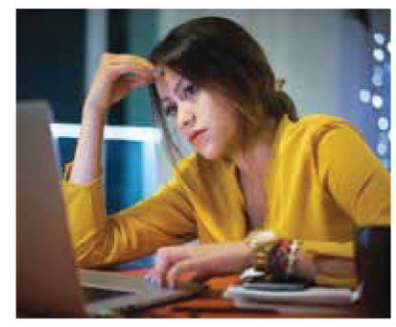

✦➤ **नींद पूरी न होना :** नाइट शिफ्ट करने वालों में नींद न आने की सबसे ज्यादा समस्याएं देखी गई हैं। नाइट शिफ्ट के बाद दिन कुछ लोग चैन की नींद नहीं सो पाते हैं। एक-दो घंटे सोने से उनका स्लीप साइकिल बिगड़ने लगता है, जिससे एंजाइटी की समस्या हो सकती है।

✦➤ **ब्रेस्ट कैंसर का रिस्क :** एक्सपर्ट्स का कहना है कि नाइट शिफ्ट करने वाली महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर का खतरा काफी ज्यादा होता है। रात में न सोने से स्लीप पैटर्न बगड़ जाता है, जिससे मेलाटोनिन हार्मोन का लेवल कम होता है। यह हार्मोन कैंसर से बचाने का काम कर सकता है।

✦➤ **हार्ट अटैक का जोखिम :** खराब स्लीप साइकल का सबसे ज्यादा असर हार्ट पर होता है। रोज रात में नाइट शिफ्ट करने से नींद खराब होने लगती है, इससे हार्ट अटैक का रिस्क कई गुना तक बढ़ जाता है। रात में न सोने से ब्लड प्रेशर भी प्रभावित होता है। इसी वजह से हार्ट अटैक का खतरा करीब 7 परसेंट तक ज्यादा बढ़ जाता है।

✦➤ **डायबिटीज :** रात में सही तरह न सोने वालों में लेप्टिन हार्मोन कम हो जाता है, जिससे कई बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इनमें डायबिटीज प्रमुख है। लेप्टिन हार्मोन ब्लड शुगर और इंसुलिन को कंट्रोल करने का काम करता है।

क्या पार्टनर को बार-बार मैसेज करने से रिश्ते पर पड़ सकता है बुरा असर?

जब भी किसी नए रिश्ते की शुरुआत होती है,तो ऐसे में दोनों ही पार्टनर्स के बीच जो खिंचाव होता है। वे हर समय एक दूसरे के साथ लगे रहते हैं और दिनभर एक दूसरे को टेक्स्ट या फिर मैसेज करते रहते हैं, लेकिन क्या ऐसा करना सही होता है? बता दें रिलेशनशिप का जो शुरुआती दौर होता है वह काफी सेंसिटिव होता है। अगर आप शुरुआती दौर में लगातार अपने पार्टनर को मैसेज करते रहते हैं तो ऐसे में आपके रिश्ते पर काफी बुरा असर पड़ सकता है। जानकारों की अगर माने तो शुरुआती दौर में कपल्स के लिए ज्यादा सावधान रहने की जरूरत होती है।

रिलेशन की शुरुआत में ध्यान में रखें ये बातें

जब आप अपने रिलेशनशिप की शुरुआत कर रहे हैं तो यह बात बिलकुल जरुरी नहीं है कि आपका पार्टनर आपके लिए हमेशा अवेलेबल रहेगा या फिर हमेशा आपसे बात करेगा। अगर दोनों आपस में लगातार बात कर रहे हैं तो उनके आपसी सहमति पर डिपेंड करता है। जानकार कहते हैं कि अपनी ख़ुशी और मर्जी के हिसाब से अपने पार्टनर को लगातार टेक्स्ट या मैसेज करना सही बात नहीं है। ऐसे में आपको अपने पार्टनर को बिना सोचे-समझे कोई भी मैसेज नहीं भेजना चाहिए। कई बार हमारे दिमाग में ऐसे ख्याल आते रहते हैं कि आपको अपने पार्टनर को मैसेज करके उनका हाल-चाल पूछ लेने का मन करता है। दिमाग में यह सवाल भी आता है कि सामने वाले ने अभी तक कोई कॉल या मैसेज क्यों नहीं किया है। इस तरह के सवाल आने पर बेचैनी बढ़ने लगती है और बात करने की इच्छा और भी बढ़ जाती है। आपको लगता है काफी लंबे समय से आपकी बात उससे नहीं हुई है और आपको उन्हें अपनी याद दिलानी चाहिए। लेकिन, अगर आप भी ऐसा करते हैं तो ऐसे में आप किसी भी तरह के सिचुएशन को कंट्रोल करने की कोशिश कर रहे हैं जो कि किसी भी तरह से ठीक नहीं है।

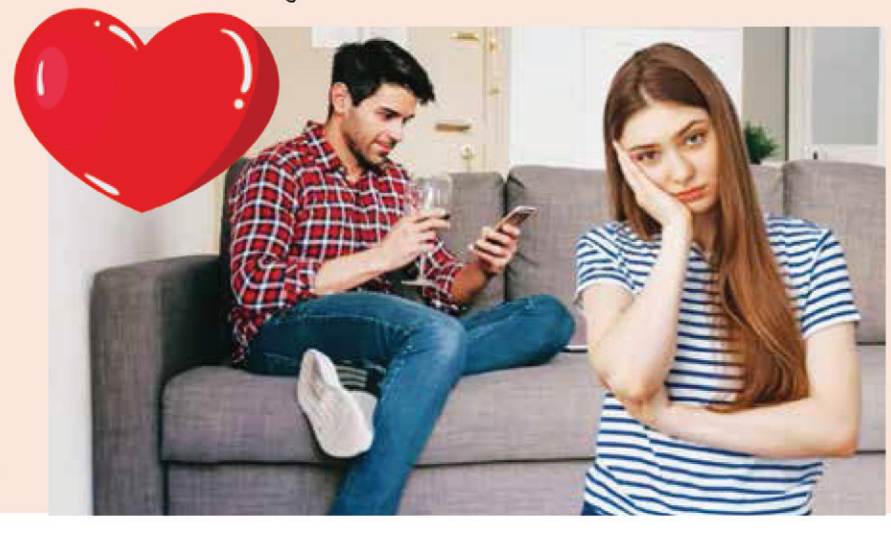

आप प्यार और उसका इजहार बैलेंस्ड तरीके से करें

जब आप अपने पार्टनर को लगातार मैसेज करते हैं तो यह उन्हें कंट्रोल करने की कोशिश जैसा है। अगर आप किसी भी तरह के सिचुएशन को कंट्रोल करना चाहते हैं तो ऐसे में आपको उन्हें बार-बार मैसेज नहीं करना चाहिए। अगर आपको अपने पार्टनर की फ़िक्र है इसलिए आप उनको बार-बार मैसेज कर रहे हैं तो भी आपको ऐसा नहीं करना चाहिए। अगर आप ऐसा करते हैं तो आपका पार्टनर चिड़चिड़ा सकता है। ऐसे में आपको इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि आप प्यार और उसका इजहार बैलेंस्ड तरीके से करें।

बारगांव की व्यायाम शिक्षिका तुलसी साहू को मिला राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने श्रेष्ठ शिक्षक रूरल चेंजमेकर टीचर अवॉर्ड से किया सम्मानित

राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर चयन

उनकी कोचिंग क्षमता का ही परिणाम है कि बारगांव सहित आस पास के ग्रामीण क्षेत्रों से हॉकी खेल में बालक एवं बालिकाए बड़ी संख्या में राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर चयन होकर मेडल जीत रहे है वर्ष 2022 में 2 बच्चों का राज्य स्तर एवं 01 बच्चे का राष्ट्रीय स्तर पर चयन,वर्ष 2023 में 19 बच्चों का राज्य स्तर एवं 03 बच्चों का राष्ट्रीय स्तर पर चयन, वर्ष 2024 में 19 बच्चों का राज्य स्तर एवं 03 बच्चों का राष्ट्रीय स्तर पर चयन,वर्ष 2025 में 20 बच्चों का राज्य स्तर एवं 02 बच्चों का राष्ट्रीय स्तर पर चयन

ग्रामीण अंचलों से बच्चों का चयन हॉकी एकेडमी में

बारगांव खेल मैदान में अभ्यासरत बच्चों का चयन हॉकी एकेडमी में हुआ,जहां रायपुर एकेडमी में 03 बच्चे,राजनादगांव एकेडमी में 02 बच्चे एवं बिलासपुर एकेडमी में 01 बच्चे का चयन हुआ है जहां सभी बच्चे एकेडमी में रहकर हॉकी खेल का गुण सिख रहे है। ग्रामीण प्रतिभा को निखारना बारगांव सहित आस पास के ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों को हॉकी खेल और अन्य शारीरिक गतिविधियों के प्रति प्रेरित करना,खेल दिवस जैसे आयोजनों पर लगातार बच्चों को खेल,शारीरिक फिटनेस और योगाभ्यास के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए कार्य म आयोजित करती है यह सम्मान ग्रामीण अंचल में खेल, संस्कृति को विकसित करने में व्यायाम शिक्षिका तुलसी साहू की अहम भूमिका को रेखांकित करता है ।

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ की माटी ने एक बार फिर पूरे देश में अपनी प्रतिभा का परचम लहराया है, दैनिक भास्कर समूह द्वारा हयात रेंजीडेंसी नई दिल्ली में आयोजित श्रेष्ठ शिक्षक सम्मान कार्यक्रम के तहत पूरे देश से 36 हजार से अधिक की संख्या में शिक्षकों का आवेदन प्राप्त हुआ था जिसमें से 40 शिक्षकों को श्रेष्ठ शिक्षक के रूप में चयनित किया गया। जिसमें बेमेतरा जिला अंतर्गत विकासखण्ड बेरला के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बारगांव में पदस्थ व्यायाम शिक्षिका तुलसी साहू भी शामिल रही,ग्रामीण अंचलों में हॉकी खेल के विकास और बच्चों को प्रशिक्षित करने में उत्कृष्ट योगदान के लिए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने व्यायाम शिक्षिका तुलसी साहू को श्रेष्ठ शिक्षक रूरल चेंज मेकर टीचर अवॉर्ड से सम्मानित किया यह गौरव का क्षण था यह सम्मान ग्रामीण अंचल में छिपी खेल प्रतिभाओ को निखारने के उनके समर्पण को दर्शाता है। तुलसी साहू स्वयं एक राष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ी रही है जहां वे 05 बार राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा हॉकी प्रतियोगिता में चयन,05 बार ओपन हॉकी प्रतियोगिता में चयन,06 बार यूनिवर्सिटी में चयन होकर प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया साथ ही 04 बार अखिल भारतीय सिविल सर्विसेस हॉकी प्रतियोगिता 2022 भोपाल,2023, भुवनेश्वर(उड़ीसा), 2024 काकीनाड़ा (आंध्रप्रदेश) एवं 2025 दिल्ली में आयोजित प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ टीम प्रतिनिधित्व किया 2022 भोपाल में आयोजित सिविल सर्विसेस हॉकी प्रतियोगिता में तुलसी साहू की उम्दा खेल प्रदर्शन से प्रथम बार कांस्य पदक जीतने में छत्तीसगढ़ सफल रहा रोजाना विद्यालय से लगे खेल मैदान में बारगांव सहित आस-पास गांवों के 70 से 80 बालक एवं बालिकाओं को सुबह और शाम हॉकी खेल अभ्यास कराती है।

छात्राओं को दी गई इग्नू के विभिन्न पाठ्यक्रमों की जानकारी

दुर्ग। शासकीय डॉ. वा. वा. पटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग में छात्राओं को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) द्वारा प्रदान किए जाने वाले विभिन्न शैक्षणिक अवसरों से अवगत कराने हेतु 'पाठ्यक्रम जागरूकता एवं प्रचार संगोष्ठी' का सफल आयोजन किया गया।

इस संगोष्ठी के मुख्य वक्ता इग्नू क्षेत्रीय केंद्र, रायपुर के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. गौड़ा राजेन्द्र थे। उन्होंने अपने संबोधन में आधुनिक शिक्षा प्रणाली में मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा (ष्ठद्बह्यह्लड्डठ्ठष्द्ग श्वस्रह्वष्ड्डह्लद्बशठ्ठ) के महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ. राजेन्द्र ने छात्राओं को जानकारी दी कि इग्नू के माध्यम से वे नियमित पढ़ाई के साथ-साथ अपनी रुचि के अन्य सर्टिफिकेट या डिप्लोमा कोर्स भी कर सकती हैं, जो उनके भविष्य के करियर में सहायक होंगे।

सत्र के दौरान उन्होंने इग्नू द्वारा संचालित विभिन्न स्नातक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा तथा प्रमाणपत्र पाठ्यक्रमों के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही, विद्यार्थियों को आधिकारिक पोर्टल के माध्यम से प्रवेश प्रक्रिया और उपलब्ध संसाधनों के बारे में मार्गदर्शन प्रदान किया। इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्राएं एवं प्राध्यापक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

जिला कांग्रेस कमेटी की नवगठित जिला कार्यकारिणी का प्रथम सम्मेलन संपन्न

बेमेतरा। जिला कांग्रेस कमेटी बेमेतरा की नवगठित जिला कार्यकारिणी का प्रथम सम्मेलन दिनांक 11 मार्च 2026 को आयोजित किया गया। यह सम्मेलन अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सह-सचिव एवं छत्तीसगढ़ कांग्रेस कमेटी के सह-प्रभारी विजय जांगिड़ की अध्यक्षता में तथा जिला कांग्रेस कमेटी बेमेतरा के अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा के नेतृत्व में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। सम्मेलन में जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी, विभिन्न ब्लॉक अध्यक्ष, महामंत्री, सचिव, प्रकोष्ठों के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस दौरान संगठन को और अधिक सशक्त बनाने, पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने तथा आगामी राजनीतिक गतिविधियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। सम्मेलन को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने कहा कि पार्टी के अनुशासन का पालन करना प्रत्येक पदाधिकारी और कार्यकर्ता के लिए अनिवार्य है।उन्होंने सभी ब्लॉक अध्यक्षों, महामंत्रियों एवं सचिवों को निर्देशित करते हुए कहा कि पार्टी के प्रति समर्पण, अनुशासन और ईमानदारी के साथ कार्य करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सभी पदाधिकारी पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ संगठन को मजबूत बनाने का कार्य करें तथा कांग्रेस पार्टी की विचारधारा और जनहितकारी नीतियों को आम जनता तक पहुंचाएं। उन्होंने आगे कहा कि संगठन की मजबूती ही कांग्रेस की सबसे बड़ी ताकत है और सभी कार्यकर्ताओं को आपसी समन्वय और टीम भावना के साथ कार्य करते हुए पार्टी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का प्रयास करना चाहिए। वहीं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सह-सचिव एवं छत्तीसगढ़ कांग्रेस कमेटी के सह-प्रभारी विजय जांगिड़ ने अपने उद्बोधन में कहा कि पार्टी के विस्तार के लिए कार्यकर्ताओं में जज्बा, समर्पण और प्रतिबद्धता होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमें मान-सम्मान और पहचान प्रदान करती है, इसलिए सभी कार्यकर्ताओं को ईमानदारी और निष्ठा के साथ संगठन के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलने और संगठन को मजबूत बनाने पर विशेष जोर दिया। इस अवसर पर नवागढ़ के पूर्व विधायक गुरुदयाल सिंह बंजारे जी ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन की मजबूती के लिए कार्यकर्ताओं के बीच एकता, समन्वय और आपसी मिठास बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जब कार्यकर्ता एकजुट होकर कार्य करते हैं, तभी संगठन मजबूत होता है और पार्टी की विचारधारा समाज के प्रत्येक वर्ग तक प्रभावी रूप से पहुंचती है। कार्यक्रम के दौरान संगठनात्मक विषयों पर चर्चा करते हुए आगामी समय में पार्टी की गतिविधियों को और तेज करने, संगठन विस्तार तथा कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने पर भी विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम का संचालन मनोज शर्मा जी द्वारा किया गया, जिन्होंने पूरे सम्मेलन को व्यवस्थित एवं प्रभावी ढंग से संचालित किया। वहीं कार्यक्रम के अंत में ललित विश्वकर्मा ने सभी अतिथियों, पदाधिकारियों एवं उपस्थित कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से रवि परघनिया (कोषाध्यक्ष), सुमन गोस्वामी (महामंत्री), चंद्रप्रकाश तिवारी, प्रांजल तिवारी, रश्मि मिश्रा, कविता साहू, विजय बघेल, लुकेश वर्मा, विजय पारख, जितेंद्र, हरीश साहू, मनीष सिंह परिहार, अजय राज सेन, लीलाराम निषाद, मोहित वर्मा, दीनबंधु साहू, कुमार सिंह पटेल, बेनलाल कुर्रे, झम्मन पटेल, ओमकार कुजाम, सतीश मरकंडेय, गोरेलाल चंद्राकर, सुरेश दुबे, राजेंद्र दुबे, रामसिंह गायकवाड़, शशिप्रभा, रूबी सलूजा, रीता पांडेय, सविता साहू, देवेंद्र कुमार, भाओसिंह राज, मितलेश वर्मा, विवेक सुमित राजपूत, रोशन सिन्हा, ईश्वर वर्मा, सुनील साहू, अश्वनी अनंत, गणेश राजपूत, बलराम, अशोक जायसवाल, चंद्रशेखर, छोटेलाल साहू, विनय सिंह, पार्वती पटेल, शेख आसिफ कुरैशी, शिवकुमार वर्मा, अनिल दुबे, जयप्रकाश राज, यवन डिंडोरे सहित कांग्रेस के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

महिला दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

दल्लीराजहरा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालोद द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं के अधिकारों एवं सशक्तिकरण के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम दल्लीराजहरा में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं को उनके संवैधानिक एवं कानूनी अधिकारों, घरेलू हिंसा से संरक्षण, कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न से सुरक्षा तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी दी गई। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालोद की सचिव भारती कुलदीप ने कहा कि महिलाओं का सशक्तिकरण समाज के समग्र विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। महिलाओं को शिक्षा, समान अवसर एवं सम्मान प्रदान करना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने तथा किसी भी प्रकार की समस्या होने पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से निःशुल्क सहायता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में पैरालीगल वालेंटियर एवं अन्य उपस्थित लोगों ने भी महिला सशक्तिकरण एवं जागरूकता के लिए समाज में निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया। अंत में सभी ने महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा एवं समानता सुनिश्चित करने का संदेश दिया गया।

जनसमस्या निवारण शिविरों में प्राप्त आवेदनों को शतप्रतिशत निराकरण करने के निर्देश

दल्लीराजहरा। कलेक्टर दिव्या मिश्रा ने जिले के प्रत्येक विकासखण्डों में आयोजित होने वाले जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविरों में प्राप्त आवेदनों का शत प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में सभी विभाग प्रमुखों को इसके निर्देश दिए है। बैठक में मिश्रा ने ग्रीष्म ऋतु के आगमन के मद्देनजर जिले में आम नागरिकों को पेयजल की उलपब्धता सुनिश्चित कराने हेतु संबंधित विभागों के द्वारा की जा रही तैयारियों की भी समीक्षा की। उन्होंने ग्रीष्म ऋतु के दौरान जिले में पेयजल की समुचित उपलब्धता सुनिश्चित कराने हेतु पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुनील चंद्रवंशी, अपर कलेक्टर चंद्रकांत कौशिक एवं नूतन कंवर सहित राजस्व अनुविभागीय अधिकारियों के अलावा अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। कलेक्टर मिश्रा ने कहा कि राज्य शासन के मंशानुरूप जनसमस्या निवारण शिविरों में प्राप्त आवेदनों का समुचित निराकरण किया जाना अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए उन्होंने सभी विभाग एवं कार्यालय प्रमुखों को प्राप्त आवेदनों का परीक्षण कर विशेष प्राथमिकता के साथ इसका निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों को जनसमस्या निवारण शिविर के दौरान अपने-अपने विभागों के शिविरों में बैनर, फ्लैक्स आदि के माध्यम से शासन के जनकल्याणकारी योजनाओं का समुचित प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने आम जनता एवं हितग्राहियों को शासकीय योजनाओं का लाभ लेने हेतु आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी भी अनिवार्य रूप से प्रदान करने के निर्देश दिए। उन्होंने एसडीएम नूतन कंवर एवं सभी विभाग प्रमुखों को जनसमस्या निवारण शिविर के सफल आयोजन हेतु सभी तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मिश्रा ने कहा कि जनसमस्या निवारण शिविरों का आयोजन परिणाममूलक होना चाहिए।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जे एल उइके ने जन्म दिन पर कराया न्यौता भोज

दल्लीराजहरा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जे एल उइके ने 11 फरवरी को अपने जन्मदिन के अवसर पर डौण्डी विकासखण्ड के शासकीय प्राथमिक शाला कुर्सीटिकुल (जबकोहड़ा) के विद्यार्थियों के साथ न्योता भोज कर अपना जन्मदिन मनाया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. उइके ने अपने जन्मदिन के अवसर पर विद्यार्थियों के साथ न्योता भोज के आयोजन को अपने जीवन का सबसे सुखद एवं स्मरणीय पल बताते हुए जिला प्रशासन के इस अभिनव पहल की भूरी-भूरी सराहना की। उल्लेखनीय है कि जिला प्रशासन की पहल पर जिले के अधिकारियों के द्वारा अपने जन्मदिन के अवसर पर स्कूली बच्चों को न्योता भोज देकर उनके साथ जन्मदिन मनाने की अभिनव परंपरा की शुरूआत की गई है। जिसके अंतर्गत नियमित रूप से जिले के अधिकारियों के द्वारा अपने जन्मदिन के अवसर पर स्कूली बच्चों को न्योता भोज देकर उनके साथ अपने जन्मदिन का उत्सव मनाया गया है। इस अवसर पर शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष रोहित कुमार नुरूटी, प्रधानपाठक बीआर गोटा सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं के अलावा अमृत लाल नेताम, दशरथ कुंजाम, संतराम नुरूटी, जगजीवन कोमर्रा, रामगोपाल नेताम एवं महेश मण्डावी सहित शाला विकास प्रबंधन समिति के सदस्य सहित ग्रामीणजन उपस्थित थे।

अवैध उत्खनन व परिवहन पर कार्रवाई की मांग ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

डोंगरगांव नगर। डोंगरगांव ब्लॉक में मुरुम एवं रेत के अवैध उत्खनन की लगातार शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए ब्लॉक कांग्रेस कमेटी डोंगरगांव ने स्थानीय प्रशासन को ज्ञापन सौंपा है। कांग्रेस के पदाधिकारियों ने ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष की अगुवाई में एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर अवैध कृत्यों पर शीघ्र प्रभावी कार्रवाई की मांग की है। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष टिकेश साहू के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में बताया गया कि ब्लॉक के विभिन्न स्थानों पर मुरुम एवं रेत के अवैध उत्खनन की गतिविधियां लगातार सामने आ रही हैं। प्रिंट मीडिया और विभिन्न विश्वसनीय सूत्रों के माध्यम से इसकी जानकारी लगातार प्रशासन के संज्ञान में लाई जा रही है, किंतु इसके बावजूद अब तक अपेक्षित ठोस कार्रवाई करने से प्रशासन बच रही है। ज्ञापन में कहा गया कि इस प्रकार के अवैध उत्खनन से प्राकृतिक संसाधनों का अनियंत्रित दोहन हो रहा है, जिससे पर्यावरणीय संतुलन प्रभावित होने के साथ ही शासन को राजस्व की हानि भी हो रही है। इसलिए प्रशासन द्वारा चिन्हित स्थलों की जांच कर अवैध उत्खनन में संलिप्त लोगों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। ब्लॉक कांग्रेस पदाधिकारियों ने कहा कि जनहित से जुड़े मुद्दे पर प्रशासन द्वारा शीघ्र प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई, तो ब्लॉक कांग्रेस कमेटी जनहित में आगामी दिनों में अवैध खनन के मुद्दे को लेकर व्यापक स्तर पर आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी। ज्ञापन सौंपने के दौरान ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष टिकेश साहू, डॉ नरेंद्र साहू, मोहन अय्यर, वीरेंद्र बोरकर, रोशन यदु, अखिलेश नखत, देवेंद्र साहू, प्रियंक जैन, सुंदर साहू, सद्दाम खत्री, मोहनीश साहू, लिलेश पटेल, मयंक यदु, बद्री नारायण शुक्ला, हेम सिंह साहू सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

संस्कारों की पाठशाला है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ:महंत सुरेंद्र दास, डॉ. सौरव निर्वाणी

बेमेतरा। धर्म स्तंभ काउंसिल के तत्वावधान में जारी एक संयुक्त वक्तव्य में राम जानकी मंदिर के महंत सुरेंद्र दास और धर्म स्तंभ काउंसिल के सभापति डॉ. सौरव निर्वाणी ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ केवल एक संगठन नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक आत्मा को जागृत करने वाला राष्ट्रव्यापी संस्कार आंदोलन है,उन्होंने कहा कि संघ के प्रचारक ,विस्तारक और स्वयंसेवक समाज में सद्गृहस्थ संत की तरह कार्य करते हैं, जो बिना किसी व्यक्तिगत स्वार्थ के राष्ट्र और समाज के लिए अपना समय, श्रम और जीवन समर्पित करते हैं। उन्होंने कहा कि आज जब पश्चिमी प्रभाव और उपभोक्तावादी मानसिकता के कारण युवाओं का एक वर्ग अपनी जड़ों से दूर होता जा रहा है, तब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने लाखों युवाओं को भारतीय संस्कृति, परंपरा और गौरवशाली इतिहास से जोड़ने का महान कार्य किया है,संघ की शाखाएं केवल व्यायाम या अनुशासन का केंद्र नहीं हैं, बल्कि वे राष्ट्रभाव, चरित्र निर्माण और सामाजिक जिम्मेदारी की प्रयोगशाला हैं। महंत सुरेंद्र दास ने कहा कि संघ ने समाज में सामाजिक समरसता, सेवा और राष्ट्रीय एकता की जो परंपरा स्थापित की है, वह अद्वितीय है,देश के दूर-दराज़ क्षेत्रों, आपदाओं और संकट के समय सबसे पहले सेवा के लिए यदि कोई खड़ा दिखाई देता है, तो वह संघ का स्वयंसेवक होता है। यह सेवा केवल कार्य नहीं बल्कि संस्कार और साधना का परिणाम है। डॉ. सौरव निर्वाणी ने कहा कि संघ का सबसे बड़ा योगदान युवाओं में राष्ट्र के प्रति अभिमान और ऐतिहासिक चेतना का जागरण है,संघ की प्रेरणा से युवाओं को यह स्मरण कराया जाता है कि भारत केवल एक भौगोलिक इकाई नहीं, बल्कि हजारों वर्षों की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपरा का जीवंत राष्ट्र है,संघ युवाओं को अपने महापुरुषों, वीरों और सांस्कृतिक आदर्शों का पुण्य स्मरण कराते हुए उनमें राष्ट्र निर्माण का संकल्प जगाता है। वक्तव्य में यह भी कहा गया कि संघ की विचारधारा में भारतीय नारी के गौरव और उसके आदर्शों का सम्मान विशेष स्थान रखता है,भारतीय परंपरा में नारी को शक्ति, करुणा और प्रेरणा का प्रतीक माना गया है और इसी भाव को समाज में स्थापित करने का कार्य संघ निरंतर करता आया है। महंत सुरेंद्र दास और डॉ. सौरव निर्वाणी ने स्पष्ट कहा कि जो लोग संघ को केवल राजनीतिक चश्मे से देखने की भूल करते हैं, वे उसके सांस्कृतिक और नैतिक राष्ट्र निर्माण के मूल स्वरूप को समझ नहीं पाते,संघ का वास्तविक कार्य समाज में चरित्र, संस्कार, अनुशासन और राष्ट्रीय समर्पण की भावना पैदा करना है। अंत में उन्होंने कहा कि आज के समय में जब समाज को दिशा, नैतिकता और सांस्कृतिक आधार की आवश्यकता है, तब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का कार्य और भी अधिक प्रासंगिक हो गया है। उन्होंने समाज के युवाओं से आह्वान किया कि वे संघ की प्रेरणा से भारतीय संस्कृति, राष्ट्रभक्ति और सामाजिक सेवा के मार्ग पर आगे बढ़ें। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ वास्तव में संस्कारों की वह पाठशाला है, जहाँ से राष्ट्र समर्पित चरित्रवान नागरिकों का निर्माण होता है।

दल्ली राजहरा के साहिल कुमार साहू का इंडियन आर्मी में चयन, हनुमान भक्तों ने किया सम्मान

दल्लीराजहरा। साहिल कुमार साहू, वार्ड 24 दल्ली राजहरा के निवासी, को केंद्र सरकार के जनरल ड्यूटी इंडियन आर्मी में चयनित किया गया है। उनकी इस उपलब्धि पर हनुमान भक्तों ने गुप्ता चौक हनुमान मंदिर में शाल और श्रीफल से सम्मान किया। इस अवसर पर सिंधी समाज के पूर्व अध्यक्ष आत्माराम लालवानी, समाजसेवी स्वाधीन जैन, हरेश साहनी, सौरभ जैन, तुषार गुप्ता, देवेन्द्र पंजवानी, विनय ओटवानी, परेश लाला जी, श्रवण सिंग राजपूत, और मंदिर के पुजारी उपस्थित थे। साहिल की इस सफलता का श्रेय वे हनुमान जी और अपने कोच राम नारायण को देते हैं । साहिल की कहानी प्रेरणादायक है, क्योंकि उन्होंने अपनी मेहनत और लगन से यह मुकाम हासिल किया है। वे दल्ली राजहरा के एक मध्यमवर्गीय परिवार से आते हैं और उनकी इस उपलब्धि ने उनके परिवार और समुदाय को गर्व महसूस कराया है। साहिल का कहना है कि उनकी सफलता का राज उनकी दिन-रात की मेहनत और हनुमान जी की कृपा है। वे कहते हैं, मैं अपने कोच राम नारायण का भी आभारी हूं, जिन्होंने मुझे सही दिशा में मार्गदर्शन दिया और मेरी तैयारी में मदद की। साहिल की इस उपलब्धि से दल्ली राजहरा में खुशी का माहौल है और लोग उन्हें बधाई दे रहे हैं। उनके परिवार और दोस्तों का कहना है कि साहिल की इस सफलता से उन्हें प्रेरणा मिली है और वे भी अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित हुए हैं।

बेमेतरा नगरीय क्षेत्र में जमीन की नई गाइडलाइन दरें लागू

बेमेतरा। बेमेतरा नगरीय क्षेत्र में वर्ष 2025-26 के लिए जमीन की नई गाइडलाइन दरें निर्धारित कर लागू कर दी गई हैं। उप पंजीयक कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार नई दरों का निर्धारण पूर्व में लागू वर्ष 2019-20 की गाइडलाइन दरों, प्रस्तावित संशोधनों तथा क्षेत्रीय परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए किया गया है। नई दरों के अनुसार नगरीय क्षेत्र में औसतन लगभग 46.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। कार्यालय उप पंजीयक, बेमेतरा द्वारा जारी जानकारी के अनुसार विभिन्न वार्डों की दरों में आवश्यक संशोधन किया गया है ताकि वास्तविक परिस्थितियों के अनुरूप गाइडलाइन दरें निर्धारित की जा सकें। शहीद हेमू कल्याणी वार्ड में वर्ष 2019-20 में गाइडलाइन दर 18,500 रुपये थी। 20 नवम्बर 2025 को प्रस्तावित दर 11,400 रुपये (लगभग 38 प्रतिशत कम) रखी गई थी। वर्तमान में संशोधित दर 22,500 रुपये निर्धारित की गई है, जो लगभग 22 प्रतिशत वृद्धि को दर्शाती है। इसी प्रकार शहीद हेमू कल्याणी वार्ड की दूसरी श्रेणी में वर्ष 2019ङ्क20 में दर 31,000 रुपये थी। 20 नवम्बर 2025 को प्रस्तावित दर 25,200 रुपये (लगभग 19 प्रतिशत कम) निर्धारित की गई थी, जिसे संशोधित करते हुए अब 38,000 रुपये तय किया गया है, जो लगभग 25 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। रानी लक्ष्मी बाई वार्ड में वर्ष 2019-20 में दर 29,000 रुपये थी।

नारी प्रेम, करूणा और धैर्य का प्रतीक : द्रौपदी साहू

दल्लीराजहरा । महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं की सुरक्षा के लिए सरकार को फास्ट ट्रैक अदालतों की संख्या बढ़ाकर मुकदमों का निपटारा तेज करना चाहिए। साहू समाज दल्ली राजहरा की सक्रिय महिला द्रौपदी साहू ने कहा कि पुलिस में महिलाओं की भागीदारी और जेंडर संवेदनशीलता बढ़ानी चाहिए साथ ही सार्वजानिक स्थानों पर सीसीटीवी, स्ट्रीट लाइट, 27/7 हेल्पलाइन (181/112) को सुदृढ़ करना और कामकाजी महिलाओं के लिए हॉस्टल व सुरक्षा ऐप को बढ़ावा देना जरूरी है ताकि महिलाएं सुरक्षित हो सकती है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com